

## संक्षिप्त समाचार

**वायुसेना गोल्फ कोर्स से वापस ली जाएगी बेशकीमती जमीन**

**नई दिल्ली।** देश की राजधानी दिल्ली के सबसे हाई-प्रोफाइल और अति-संवेदनशील इलाके लोक कल्याण मार्ग पर स्थित वायुसेना गोल्फ कोर्स को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने गोल्फ कोर्स द्वारा उपयोग की जा रही इस प्रमुख जमीन को वापस लेने की औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। योजना के मुताबिक, यह भूमि आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (रूम II) को वापस सौंपी जाएगी। इस फैसले को लेकर संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों ने रक्षा मंत्रालय और भारतीय वायुसेना सहित सभी जुड़े विभागों को आधिकारिक रूप से सूचना भेज दी है। लोक कल्याण मार्ग स्थित यह भूखंड सुरक्षा और रणनीतिक लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यह सीधे प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास के बेहद करीब स्थित है।

**ज्ञानेश के 20 साल पुराने केस की होगी पड़ताल; केरलम के गृह मंत्री ने दिया आदेश**

**नई दिल्ली** मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़े करीब 20 साल पुराने एक मामले ने एक बार फिर तुल पकड़ लिया है। केरल के गृह मंत्री रमेश चेंन्नियल ने 2006 में हुई मलेशियाई सिविल इंजीनियर ली सी बीन की आत्महत्या के मामले में विजिलेंस जांच के आदेश दिए हैं। उस समय ज्ञानेश कुमार केरल के लोक निर्माण विभाग के सचिव थे। आरोप है कि ली सी बीन के कथित सुसाइड नोट में ज्ञानेश कुमार का नाम भी सामने आया था। ली सी बीन केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के तहत एमसी रोड के उन्नयन का काम कर रहे कंसोर्टियम से जुड़े थे। उनकी आत्महत्या के बाद मामले की जांच शुरू हुई थी। हालांकि, अब सरकार ने पुराने घटनाक्रम के साथ-साथ जांच की प्रक्रिया पर उठे सवालों की भी पड़ताल करने का फैसला किया है। सरकार की ओर से जांच के दायरे में उन आरोपों को भी शामिल किया गया है, जिनमें कहा गया है।

**दो गुटों में ताबड़तोड़ चाकूबाजी, 3 युवकों की दर्दनाक मौत; अस्पताल में भी भिड़े आरोपी**

**सारण।** बिहार के सारण जिले के एकमा धाना क्षेत्र में देर रात दो गुटों के बीच हुए खूनी संघर्ष में चाकूबाजी के दौरान तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना स्थित पीएमसीएच रेफर किया गया है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आसपास के कई धानों की पुलिस को तैनात किया है। घटना एकमा धाना क्षेत्र के पछुआ गांव और परसागढ़ बाजार के बीच परसा मोड़ की बताई जा रही है। मृतकों की पहचान पछुआ गांव निवासी रमेश कुमार यादव (35), मुकेश यादव (25) और छपरा के काशी बाजार निवासी अंकुर कुमार उर्फ धोनी (22) के रूप में हुई है।

**गैरकानूनी काम हुआ है तो नतीजे भुगतने पड़ेंगे**

## सुप्रीम कोर्ट ने कहा-हमने मॉडिफाइड फार्म 6 को मंजूरी नहीं दी थी

**नई दिल्ली/ एजेंसी**

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निर्लंबित करने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तत्काल अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर यह स्पष्ट करने को कहा है कि एसआईआर और मतदाता सूची से जुड़े फैसले संवैधानिक प्रक्रिया के तहत सर्वसम्मति या बहुमत से लिए गए थे या नहीं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहन की पीठ ने कहा कि केवल किसी समाचार पत्र की रिपोर्ट के आधार पर यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि चुनाव आयोग में फैसले एकतर्फ लिए गए। अदालत ने कहा कि उसे इस संबंध में चुनाव आयोग से

प्रमाणित जानकारी और रिकॉर्ड चाहिए। मामला चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की ओर से कथित तौर पर उठाई गई आपत्तियों से जुड़ा है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि पिछले 10 महीनों में मतदाता सूची, मतदाता पंजीकरण और आयोग की तकनीकी प्रणालियों से जुड़े मामलों में कम से कम 14 मौकों पर आपत्तियां दर्ज की गईं। चुनाव आयोग ने कहा है कि मसौदा चरण में उठाए गए सवाल और सुझाव उसकी सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं तथा एसआईआर की समय-सारणी से जुड़े अंतिम फैसले सर्वसम्मति से लिए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने दृष्टष्ट ज्ञानेश कुमार को निर्लंबित करने के लिए तत्काल अंतरिम आदेश देने से इनकार करते हुए चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। अदालत ने कहा कि अगर रिकॉर्ड



यह है कि क्या चुनाव आयोग के फैसले पूरी संस्था की संवैधानिक प्रक्रिया के तहत लिए गए थे या मुख्य चुनाव आयुक्त ने अकेले ही उन शक्तियों का इस्तेमाल किया, जो आयोग के सामूहिक निर्णय से जुड़ी हैं। पीठ ने स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग के फैसले सर्वसम्मति या बहुमत के आधार पर होने चाहिए। अदालत ने कहा कि अगर रिकॉर्ड



से यह सामने आता है कि संबंधित फैसले न तो सर्वसम्मति से और न ही बहुमत से लिए गए थे, तो उन फैसलों पर रोक लगाने या उन्हें प्रभावित करने वाला आदेश दिया जा सकता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा कि क्या वह अपनी मांग के लिए समाचार पत्र की रिपोर्ट पर निर्भर कर रहा है। अदालत ने कहा कि

किसी रिपोर्ट के सही, आंशिक रूप से सही या गलत होने की संभावना हो सकती है। इसलिए केवल मीडिया रिपोर्ट के आधार पर तत्काल आदेश नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि वह चुनाव आयोग की प्रतिक्रिया जरूर जानना चाहेगा। यदि रिकॉर्ड से यह साबित होता है कि संबंधित मामलों में कानून और निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया, तो अदालत उचित कार्रवाई पर विचार कर सकती है। यह मामला द इंडियन एक्सप्रेस की उस रिपोर्ट के बाद सामने आया, जिसमें दावा किया गया था कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में मतदाता सूची, मतदाता पंजीकरण और आयोग की तकनीकी प्रणालियों से जुड़े मामलों में कम से कम 14 मौकों पर औपचारिक आपत्तियां दर्ज की थीं।

**खरगे बोले-इन 3 मांगों से कोई समझौता नहीं, डीएमके ने ज्ञानेश कुमार को बताया बीजेपी का 'गुलाम'**

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और एसआईआर को लेकर विपक्ष लगातार आक्रामक है. इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की 3 मांगों से समझौता नहीं करेगी. छत्तीसगढ़ के ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा. दूसरी, एसआईआर को रद्द करना और तीसरी, बैलेट पेपर पर चुनाव करना. खरगे ने एस पीएल में कहा, देशभर में कांग्रेस कार्यकर्ता और इंडिया गठबंधन के साथी इन तीन मुद्दों को लेकर सड़कों पर हैं. जो भी सीधित सोसाइटी में और युव ऑर्गेनाइजेशन इन मुद्दों पर देश में जगह-जगह सघर्ष कर रहे हैं।



**सीजेपी प्रोटेस्ट के बीच बोले अधिकारी**

**खटमल फिर से चारों ओर फैल गए लोग अलर्ट रहें...**

**नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने एसआईआर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर मुंबई में दृष्टक के विरोध प्रदर्शन के दो दिन बाद रविवार को कहा कि खटमल फिर से चारों तरफ दिखाई देने लगे हैं और लोगों को अलर्ट रहना चाहिए। यहां विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में अधिकारी ने कहा कि उनकी सरकार राज्य में कोई भी राष्ट्रविरोधी गतिविधि नहीं होने देगी। अधिकारी ने कहा, बहुत से खटमल फिर से चारों तरफ दिखाई देने लगे हैं। हमें सतर्क और एकजुट रहना होगा। उन्होंने यह



टिप्पणी कॉंग्रेस जनता पार्टी के दो अक्टूबर को मुंबई के शिवाजी पार्क में हुए प्रदर्शन के बाद की है। प्रदर्शन में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की गई थी।



हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके आवास पर मुलाकात की।

**वित्त मंत्री निर्मला ने दी चेतावनी**

**होर्मुज संकट से बढ़ा खाद्य सुरक्षा का खतरा-वित्तमंत्री**

**नई दिल्ली/ एजेंसी**

दुनिया पर एक बड़े खाद्य संकट का खतरा मंडरा रहा है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने म्यूनिख लीडर्स मीटिंग के दौरान वैश्विक खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेटबाद अल-मंदेब जैसे प्रमुख समुद्री मार्गों में किसी भी तरह का लंबा व्यवधान दुनिया की खाद्य आपूर्ति पर गंभीर असर डाल सकता है। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में निर्मला सीतारमण ने कहा कि समुद्री व्यापार मार्गों में रुकावट का असर सिर्फ ऊर्जा आपूर्ति तक सीमित



नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती है। उन्होंने मलका स्ट्रेट का भी जिक्र किया। वित्त मंत्री के मुताबिक, फ्लिहाल मलका जलडमरूमध्य में कोई बड़ी समस्या नहीं है, लेकिन अगर यहां भी व्यवधान पैदा होता

है तो वैश्विक सप्लाई चेन पर दबाव और बढ़ सकता है। खाद्य संकट के संभावित खतरे से निपटने के लिए भारत कई कदम उठा रहा है। सीतारमण ने बताया कि सरकार ने उर्वरक आयात से जुड़ी शिपिंग लाइनों को बढ़ते बीमा प्रीमियम और भुगतान संबंधी चुनौतियों से निपटने में मदद के लिए Shipping Emergency Fund बनाया है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा की मांगों, सीमित शिपिंग उपलब्धता और भारी बीमा प्रीमियम के कारण उर्वरक आयात प्रभावित हो रहा है। ऐसे में भारत घरेलू यूरिया और फॉस्फेट उत्पादन बढ़ाने पर भी जोर दे रहा है।

**बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में बड़ी कामयाबी, 12 मंजिला इमारत जितना ऊंचा साबरमती नदी ब्रिज बनकर तैयार**

**अहमदाबाद।** मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल यानी बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट ने एक और ऐतिहासिक मोल का पथर हासिल कर लिया है। गुजरात में साबरमती नदी पर बन रहे 480 मीटर लंबे विशाल रेलवे ब्रिज का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह शानदार पुल साबरमती और अहमदाबाद बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच स्थित है, जो साबरमती स्टेशन से मात्र 1 किमी और अहमदाबाद स्टेशन से 4 किमी की दूरी पर है। लगभग 36 मीटर (करीब 118 फीट) की ऊंचाई वाला यह ढांचा एक 12 मंजिला इमारत के बराबर ऊंचा है, जो पूरे कॉरिडोर के सबसे चुनौतीपूर्ण और प्रमुख ढांचों में गिना जाता है।

**यूपी राज्यसभा चुनाव में बीजेपी की लिस्ट जारी**

**आठ उम्मीदवारों में हरदीप सिंह पुरी को जगह नहीं....**

**नई दिल्ली/ एजेंसी**

भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के लिए अपनी लिस्ट जारी कर दी है। इसमें कुल आठ उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। हालांकि इसमें हरदीप सिंह पुरी का नाम शामिल नहीं है। इस लिस्ट में दो ब्राह्मण चेहरे हैं, जबकि एक राजपूत चेहरा भी है। वहीं, दो महिलाओं को भी जगह दी गई है। भाजपा के केंद्रीय कार्यालय की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में इन आठ नामों की घोषणा की गई। पार्टी ने उम्मीदवारों के चयन में संगठनात्मक अनुभव के साथ



क्षेत्रीय और सामाजिक समीकरणों को भी साधने की कोशिश की है। भाजपा की ओर से घोषित उम्मीदवारों में धर्मपाल सिंह का नाम प्रमुख है। इसके अलावा राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय, प्रियंका सिंह रावत, राम

प्रताप सिंह चौहान और रश्मि गंगवार को उम्मीदवार बनाया गया है। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीटों के लिए 16 अक्टूबर को मतदान होना है। इन सीटों पर मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल नवंबर में पूरा हो रहा है। चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक नामांकन की अंतिम तिथि छह अक्टूबर है। 403 सदस्यीय उत्तर प्रदेश विधानसभा में मौजूदा संख्या बल के आधार पर भाजपा और उसके सहयोगी दलों की स्थिति मजबूत है। चुनाव में एक राज्यसभा सीट जीतने के लिए करीब 37 विधायकों के मतों की जरूरत है। भाजपा गठबंधन के पास आठ

**कोल लेवी घोटाला : ईओडब्ल्यू ने पेश किया 9500 पन्नों का पूरक चालान**

**देवेन्द्र यादव और विनोद तिवारी समेत 12 को बनाया आरोपी**

**रायपुर।** संवाददाता

कथित कोल लेवी घोटाले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने सुमीत कपूर की विशेष अदालत में आज चार्जशीट पेश किया। 12 आरोपियों के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने 9500 पन्नों का चालान पेश किया है, जिसमें देवेन्द्र यादव, विनोद तिवारी, चंद्रदेव राय, पीयूष साहू, आरपी सिंह, जोगेन्द्र सिंह, राहुल मिश्रा, जेपी मौर्या, दीपेश टांक, रामगोपाल अग्रवाल, रामप्रताप सिंह, सुनील अग्रवाल को आरोपी बनाया है। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोल लेवी प्रकरण साल 2020 से 2022 के दौरान कोयला परिवहन पर लगाया गया अवैध शुल्क था. जांच एजेंसियों के अनुसार, राज्य में ऑनलाइन ई-परमिट प्रणाली में बदलाव कर मैन्युअल



अनापत्ति प्रमाण पत्र व्यवस्था लागू की गई थी. इसके तहत खदानों से कोयला निकालने और उसके सुचारू परिवहन के एवज में प्रति टन 25 रुपए की दर

से अवैध वसूली (कोल लेवी) करने का एक समानांतर सिंडिकेट खड़ा किया गया था. इस प्रक्रिया से प्रतिदिन करोड़ों रुपये की काली कमाई जुटाई

जाती थी, जिसका एक बड़ा हिस्सा अधिकारियों, बिचौलियों और राजनीतिक संरक्षण देने वाले व्यक्तियों के बीच नियमित रूप से वितरित किया जाता था. जांच एजेंसियों के अनुसार, वर्ष 2020 से 2022 के दौरान प्रति टन 25 रुपए की अवैध लेवी वसूली के जरिए लगभग 500 से 540 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध राशि एकत्रित किए जाने का अनुमान लगाया गया है. जांच रिपोर्टों में यह दावा किया गया है कि इस काली कमाई में से प्रतिदिन 2 से 3 करोड़ रुपये की वसूली की जाती थी, जिसका एक बड़ा हिस्सा बेनामी संपत्तियों की खरीद, राजनेताओं के चुनावी व व्यक्तिगत खर्चों तथा प्रशासनिक अधिकारियों में वितरण के लिए इस्तेमाल किया गया.

**एसबी की बड़ी कार्रवाई, डायवर्सन के लिए रिश्तत लेते एसडीएम कार्यालय का बाबू गिरफ्तार.....**

धमतरी। जिले के कुरुद स्थित एसडीएम कार्यालय में एंटी करप्शन ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने कार्यालय में पदस्थ बाबू पुनेश्वर सूर्यवंशी को 10 हजार रुपये की रिश्तत लेते रंगे हाथ पकड़ा है। कार्रवाई के बाद एसडीएम कार्यालय में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के मुताबिक, एक जमीन कारोबारी की जमीन के डायवर्सन से संबंधित फाइल कुरुद एसडीएम कार्यालय में लंबित थी। फाइल आगे बढ़ाने और डायवर्सन की प्रक्रिया के लिए बाबू पुनेश्वर सूर्यवंशी ने कारोबारी से 20 हजार रुपये रिश्तत की मांग की थी। बातचीत के बाद 10 हजार रुपये में सौदा तय हुआ। इसके बाद जमीन कारोबारी ने मामले की शिकायत एसबी को कर दी। शिकायत मिलने के बाद एसबी ने मामले का सत्यापन किया और कार्रवाई की योजना बनाई। इसके तहत शिकायतकर्ता को रिश्तत की रकम लेकर आरोपी बाबू के पास भेजा गया। जैसे ही बाबू ने 10 हजार रुपये की रिश्तत स्वीकार की, मौके पर मौजूद एसबी की टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान रिश्तत की रकम भी बरामद की गई है। एसबी टीम ने आरोपी बाबू को हिरासत में लेकर पृच्छाछ शुरू कर दी है।





## संक्षिप्त समाचार

## वीबी जीरामजी योजना से ‘मेरी बेटी मेरा अभिमान’अंतर्गत धूमा में बना प्रथम बालिका शौचालय

**रायपुर।** राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर स्वच्छता और बेटीयों के सम्मान का संदेश देते हुए धमतरी जिले के कुरूद विकासखंड की ग्राम पंचायत धूमा में ‘मेरी बेटी-मेरा अभिमान’ अभियान के अंतर्गत प्रथम बालिका शौचालय का उद्घाटन किया गया। विकसित भारतडूरोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत निर्मित यह शौचालय राज्य में चल रहे ‘मेरी बेटीडुम्मेरा अभिमान’ अभियान को जमीनी स्तर पर साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। गुलाबी रंग से सजे नव-निर्मित बालिका शौचालय के दौरान छोट्टी बच्चियों ने भी हाथों में इसी संदेश वाली तख्तायां लेकर स्वच्छता, सुरक्षा और बेटीयों के सम्मान का संदेश दिया। ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और बच्चों की भागीदारी ने गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को विशेष बना दिया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 6 अगस्त 2026 को वीबी-जी राम जी के अंतर्गत राज्यव्यापी ‘मेरी बेटी-मेरा अभिमान’ अभियान का शुभारंभ किया था। अभियान 15 अगस्त 2026 से 26 जनवरी 2027 तक संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के 6,671 शासकीय विद्यालयों में लगभग 286.85 करोड़ रुपए की लागत से बालिका शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण विद्यालयों में पढ़ने वाली बालिकाओं को सुरक्षित और स्वच्छ शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ उनके स्वास्थ्य, स्वच्छता और गरिमा के अनुकूल वातावरण तैयार करना है। धूमा का यह बालिका शौचालय एक दिन में तैयार हुई पहल नहीं है। विकसित भारत-जी राम जी के आयुक्त एवं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के संचालक तारन प्रकाश सिन्हा ने भी अपने कुरुद विकासखंड के भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत धूमा पहुंचकर बालिका शौचालय के निर्माण कार्य का मैदानी निरीक्षण किया था।

## युवा कांग्रेस चुनाव में फर्जी वोटिंग का आरोप, शिकायतें पहुंचीं दिल्ली

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ से बड़ी खबर सामने आ रही है. यहां हुए युवा कांग्रेस चुनाव में धांधली का बड़ा विवाद सामने आया है। इस चुनाव में फर्जी वोटिंग और ओटीपी मांगने के गंभीर आरोप लगे हैं। वहीं पूरे मामले की शिकायत अब दिल्ली तक पहुंच गई है। प्रदेशभर से करीब 400 शिकायतें चुनाव प्राधिकरण तक पहुंचने का दावा किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह विवाद अब राष्ट्रीय नेतृत्व तक पहुंच गया है. शिकायतकर्ताओं ने चुनाव प्राधिकरण से पूरे मामले की जांच और चुनाव पर रोक लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक फर्जी वोटिंग की जांच नहीं होती, चुनाव परिणाम घोषित नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस के चुनाव में करीब 14 लाख 56 हजार वोट पड़ने की जानकारी सामने आई। इसी बीच युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद के प्रत्याशी विनय शील ने मतदान प्रक्रिया में गड़बड़ी और फर्जी वोटिंग का आरोप लगाते हुए सवाल खड़े किए। उन्होंने अपने सोशल मीडिया खाते पर पोस्ट कर चुनाव में इस्तेमाल किए गए ‘विथ आईवायसी’ एप में तकनीकी गड़बड़ी अथवा किसी तरह के हस्तक्षेप की जांच कराने की मांग की। विनय शील ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि उनके एप खाते में सात एप ‘अनपेड वोट’ जुड़ गए हैं। उनके मुताबिक इनमें एक वोट सूरजपुर, चार वोट खैरगढ़-छुईखदान और दो वोट कोरबा से जुड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये सभी वोट प्रदेश अध्यक्ष पद के प्रत्याशी क्रमांक चार के पक्ष में दर्ज हुए हैं। विनय का कहना है कि उन्होंने इन सात वोटों के लिए स्वयं मतदान नहीं कराया है।

## बस्तर में पहली बार संभाग स्तरीय टाइगर प्रोटेक्शन का आयोजन

**रायपुर।** वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह के अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप के विशेष मार्गदर्शन और निर्देशानुसार, बस्तर संभाग में वन्यप्राणियों के संरक्षण और उनको प्रभावी मॉनिटरिंग को लेकर एक महत्वपूर्ण संभाग स्तरीय कार्यशाला का शुुरुआत हुई है। वन विद्यालय, जगदलपुर में आयोजित इस दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन द्वारा किया जा रहा है। संभाग स्तर पर इस तरह की कार्यशाला का आयोजन पहली बार किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य मैदानी स्तर पर काम करने वाले वन कर्मचारियों की कार्यक्षमता को बढ़ाना है। प्रशिक्षण सत्र के दौरान राज्य वन्यजीव बोर्ड के सदस्य गौरव निलानी और एसडीओ योगेश रात्रे ने प्रेजेंटेशन के जरिए वन कर्मियों को वन्यजीव संरक्षण के गुर सिखाए। प्रशिक्षण में मुख्य रूप से कई विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बाघ की विविधताएं, उनका रहन-सहन, क्षेत्र की पहचान और उनका व्यवहार। बाघ और तेंदुए के पगमार्क (पैर के निशान) तथा अन्य फील्ड साइन्स में अंतर करना। नर और मादा बाघ की पहचान, पगमार्क के पैड इंप्रेशन और फोटोग्राफिक पहचान की तकनीक। बाघ के शिकार करने के तरीके, खरौंच के निशान और क्षेत्रीय मार्किंग की पहचान। कैमरा ट्रैप और मैदानी निगरानी की आधुनिक तकनीकें। वन्यजीव अपराधों को रोकने और मुखबीर तंत्र को मजबूत करने के उपाय। कार्यशाला के पहले दिन सैद्धांतिक जानकारी देने के बाद सभी प्रतिभागियों की एक परीक्षा भी आयोजित की गई, ताकि सीखे गए ज्ञान का आकलन किया जा सके। इस आयोजन का दूसरे दिन फील्ड विजिट और प्रैक्टिकल एक्ससाइज करवाया गया, जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों को जंगल में जाकर पगमार्क और अन्य वन्यजीव संकेतों की पहचान करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में मुख्य वन संरक्षक (बस्तर) सु स्टायलो मंडावी, मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) उत्तम गुप्ता, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक गीतम नारायण पड़ोभार सहित वन विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

## सात लाख की धोखाधड़ी का आरोपी रतनपुर बस स्टैंड से गिरफ्तार

**रायपुर।** चौकी रजगामार और थाना बालकोनगर पुलिस ने सात लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में प्यार आरोपी हनुमान प्रसाद यादव (38) को रतनपुर बस स्टैंड से गिरफ्तार किया है। आरोपी पर मकान, जमीन और मलबा बेचने का इकरारनामा कर राशि लेने के बाद संपत्ति की रजिस्ट्री नहीं कराने और जमीन किसी अन्य व्यक्ति को बेचने का आरोप है। आरोपी के विरुद्ध परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) की धारा 138 के तहत तीन स्थायी वारंट भी लॉबित थे। पुलिस के अनुसार रजगामार निवासी शिकायतकर्ता सिकंदर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि हनुमान प्रसाद यादव और उसकी पत्नी अनीता यादव ने 22 नवंबर 2023 को मकान, जमीन एवं मलबे की बिक्री के संबंध में इकरारनामा किया था। इसके एवज में शिकायतकर्ता से सात लाख रुपये लिए गए। शिकायत के मुताबिक राशि लेने के बाद न तो संपत्ति की रजिस्ट्री कराई गई और न ही मलबा दिया गया।

## राजधानी

## रोल बोल यूथ कॉन्क्लेव-2026

## हमें हमेशा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए-राज्यपाल डेका

## ■ सकारात्मक सोच, मानवीय मूल्य और नवाचार से ही जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होता है: राज्यपाल रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका आज रोल-बोल सामाजिक संस्था द्वारा आयोजित ‘रोल बोल यूथ कॉन्क्लेव-2026’ में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने सकारात्मक सोच, मानवीय मूल्यों, नवाचार और तकनीक के जिम्मेदार उपयोग को जीवन की सफलता के लिए महत्वपूर्ण बताया। मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्यपाल श्री डेका ने अपने प्रेरक उद्घोषण में कहा कि जीवन में सकारात्मकता बहुत आवश्यक है। हमें हमेशा सकारात्मक सोच के साथ

आगे बढ़ना चाहिए। नकारात्मक सोच के साथ सफलता प्राप्त करना कठिन है। उन्होंने कहा कि ‘रोल-बोल-रेस्ट ऑफ लाइफ बेस्ट ऑफ लाइफ’ जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने और अपने साथ-साथ दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने की सोच का संदेश देता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि जो हो गया, उसे पीछे छोड़कर और भविष्य की अनावश्यक चिंता किए बिना वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हमारे जीवन की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों से नहीं, बल्कि इस बात से भी जुड़ी है कि हमने कितने अच्छे संबंध बनाए हैं और परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों तथा पड़ोसियों के साथ हमारे संबंध कैसे हैं। राज्यपाल ने कहा कि हार को भी स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हार भी कठिन परिश्रम करने और अगली बार बेहतर प्रदर्शन कर जीत हासिल करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि आज इंटरनेट और तकनीक ने पूरी दुनिया को हमारी पहुंच में



ला दिया है। गूगल के माध्यम से बहुत-सी जानकारीयां आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं, लेकिन युवाओं में मौलिक सोच, मानसिक अभ्यास और स्वयं खोज करने की क्षमता विकसित होना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि नई खोज, नवाचार और नई संभावनाओं को तलाशने की क्षमता मानव जीवन की विशेषता है। विज्ञान और तकनीक ने जीवनशैली में व्यापक परिवर्तन किए हैं और इसका प्रमुख आधार निरंतर नवाचार है। शिक्षा का उद्देश्य केवल

जानकारी प्राप्त करना नहीं, बल्कि मानव जीवन को बेहतर बनाना भी है। तकनीक का विकास निरंतर जारी रहेगा, लेकिन उसका उपयोग समाज और मानवता के हित में होना चाहिए। राज्यपाल श्री डेका ने युवाओं से कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग सोच-समझकर और जिम्मेदारी के साथ करें। सोशल मीडिया पर फेक न्यूज, भ्रामक सामग्री और डीपफेक जैसी चुनौतियों से स्वयं को और समाज को सुरक्षित रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मशीन

बुद्धिमान हो सकती है, लेकिन मानवता मनुष्य के भीतर ही रहती है। तकनीक कितनी भी विकसित हो जाए, वह मानवीय संवेदनाओं और मूल्यों का स्थान नहीं ले सकती। उन्होंने कहा कि जीवन में चरित्र का बहुत महत्व है। हमें अपने संबंधों को सहजकर रखना चाहिए और सफलता मिलने पर भी विनम्र बने रहना चाहिए। ज्ञान लीजिए, ज्ञान दीजिए और इसका दान करिए यही सच्ची मानवीय परंपरा है। राज्यपाल ने कहा कि मानव का बौद्धिक गुण सर्वोपरि है। तकनीक का उपयोग रचनात्मक कार्यों और समाज के कल्याण के लिए होना चाहिए, न कि विनाश के लिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस कार्यक्रम के माध्यम से युवा एक सकारात्मक संदेश लेकर जाएंगे कार्यक्रम में कौशल उन्नयन, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहिब, बॉलीवुड संगीतकार मोंटी शर्मा, रोल-बोल संस्था के पदाधिकारी तथा राजनीति, मीडिया, उद्योग और सिनेमा से जुड़े विशिष्टजन उपस्थित थे।

## मातृत्व वंदना से ममता को मिला पोषण और स्वास्थ्य का संबल...

## ■ पहली गर्भावस्था में दो किशतों में मिले 5 हजार रुपये, स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जरूरतों में किया उपयोग रायपुर/ संवाददाता



मिली आर्थिक सहायता और आंगनबाड़ी केंद्र की पोषण सेवाएं उपयोगी सहारा बनीं। योजना के तहत उन्हें दो किशतों में कुल 5 हजार रुपये मिले, जिसका उपयोग उन्होंने स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जरूरतों में किया। सेवा संकल्प अभियान के तहत सामने आई ममता की यह ‘सेवा की कहानी’ बताती है कि योजना की आर्थिक सहायता के साथ आंगनबाड़ी केंद्र

से मिलने वाला पोषण और मार्गदर्शन गर्भवती महिलाओं के लिए मातृत्व के दौरान जरूरी देखभाल में सहयोगी बन रहा है। ममता बताती हैं कि पहली बार गर्भवती होने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने उन्हें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की जानकारी दी। कार्यकर्ता के मार्गदर्शन में उन्होंने आवेदन किया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद योजना के तहत उन्हें दो किशतों में कुल 5 हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई। ममता ने इस राशि का उपयोग गर्भावस्था के दौरान अपने स्वास्थ्य, पोषण और बच्चे की देखभाल से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने में किया। आर्थिक सहायता मिलने से इस महत्वपूर्ण समय में जरूरी खर्चों को पूरा करने में उन्हें सहूलियत मिली।

## अपने नाम जमीन की रजिस्ट्री पर प्रेमलता को मिली आर्थिक राहत

रायपुर/ संवाददाता



अपने नाम जमीन की रजिस्ट्री कराने पहुंचीं गरियाबंद जिले के पारागणं निवासी श्रीमती प्रेमलता गिरी को पंजीयन व्यवस्था में किए गए सुधारों से दोहरा लाभ मिला। महिला क्रेता होने के कारण पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट से उन्हें करीब 2,430 रुपये की आर्थिक राहत मिली, वहीं ऑनलाइन और डिजिटल सुविधाओं के कारण उनका समय भी बचा। रजिस्ट्री से पहले ही संपत्ति के बाजार मूल्य और लगने वाले शुल्क की जानकारी मिली, सुगम एप से जमीन की पहचान सुनिश्चित हुई और पंजीयन के बाद दस्तावेज भी क्वार्टरसपर पर प्राप्त हो गया। ‘सेवा संकल्प अभियान’ के

तहत पंजीयन विभाग से संवाद में उन्होंने इन सुविधाओं से जुड़ा अपना अनुभव साझा किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वित्त एवं पंजीयन मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में महिलाओं के संपत्ति स्वामित्व को प्रोत्साहित करने के साथ पंजीयन सेवाओं को सरल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए

विभिन्न सुधार लागू किए गए हैं। महिलाओं के पक्ष में संपत्ति अंतरण संबंधी दस्तावेजों पर पंजीयन शुल्क की दर 4 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत की गई है। इस प्रकार महिला क्रेताओं को पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की राहत मिल रही है। श्रीमती प्रेमलता गिरी ने बताया कि पंजीयन से पहले ही संपत्ति के बाजार मूल्य और लगने वाले विभिन्न शुल्कों की जानकारी उपलब्ध होने से उन्हें पूरी प्रक्रिया और खर्च को समझने में आसानी हुई। अपने नाम जमीन की रजिस्ट्री कराने पर महिला क्रेता के रूप में पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट मिली, जिससे उन्हें करीब 2,430 रुपये की राहत मिली। यह आर्थिक राहत उनके लिए सीधे तौर पर उपयोगी साबित हुई।

## 500 रुपये के विवाद में वृद्धा की हत्या, नाबालिग पर आरोप, छह दिन में हुआ खुलासा

**रायपुर।** पथरिया थाना क्षेत्र के ग्राम उमरिया में वृद्ध महिला की गला रेतकर हत्या के मामले का पुलिस ने छह दिन में खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार, हत्या के मामले में गांव के ही एक विधि से संघर्षरत बालक की भूमिका सामने आई है। घटना के पीछे 500 रुपये को लेकर विवाद बताया गया है। पुलिस के मुताबिक, सोनकलिया बाई डहरिया की 26-27 सितंबर की दरम्यानी रात हत्या कर दी गई थी। मामले में 28 सितंबर को अज्ञात आरोपी के खिलाफअपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ के साथ घटनास्थल, फॉरेंसिक और तकनीकी साक्ष्यों की जांच की।



से जोड़ा गया है। डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाण-पत्र और डुप्लीकेट अंकसूची के लिए 60 दिवस की समय-सीमा निर्धारित की गई है। इसी तरह उत्तरपुस्तिका की पुनर्गणना, पुनर्मूल्यांकन और फोटोकॉपी से संबंधित सेवाएं भी निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 60 दिवस की समय-सीमा में प्रदान की जाएंगी। स्कूल शिक्षा

मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने ही शैक्षणिक दस्तावेज प्राप्त करने के लिए परेशान होना पड़े, यह स्वीकार्य नहीं है। परीक्षा परिणाम के बाद विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक दिन महत्वपूर्ण होता है। उच्च शिक्षा में प्रवेश, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं सहित विभिन्न शैक्षणिक कार्यों के लिए समय पर दस्तावेज उपलब्ध होना आवश्यक है। इसलिए विद्यार्थियों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध व्यवस्था उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को अधिक विद्यार्थीकेंद्रित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

## वंदन की राशि से बेटियों के भविष्य की कट रहीं तैयारी

## ■ हर माह मिलने वाली सहायता सुकन्या समृद्धि खाते में जमा कर बना रही बचत की मिसाल रायपुर/ संवाददाता

शासकीय योजनाओं का लाभ परिवार की जरूरतों के साथ भविष्य की तैयारी में भी उपयोगी साबित हो रहा है। रायगढ़ जिले के खरसिया के वार्ड क्रमांक 14, गंज पीछे निवासी श्रीमती अंशु साहू महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि को अपनी दो बेटीयों के भविष्य के लिए बचत के रूप में उपयोग कर रही हैं। श्रीमती अंशु साहू का महतारी वंदन योजना के लिए आवेदन स्थानीय

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के सहयोग से कराया गया। आवेदन स्वीकृत होने के बाद उन्हें प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि मिल रही है। वह इस राशि को अपनी दोनों बेटीयों के नाम संचालित सुकन्या समृद्धि योजना के खातों में जमा कर रही हैं। श्रीमती साहू ने बताया कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि वह हर महीने बेटीयों के सुकन्या समृद्धि खातों में जमा करती हैं। उनका कहना है कि नियमित रूप से की जा रही यह बचत बेटीयों की पढ़ाई और भविष्य की जरूरतों के लिए आर्थिक आधार तैयार करने में मदद करेगी। उन्होंने महतारी वंदन योजना के माध्यम से मिल रही आर्थिक सहायता के लिए, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं शासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

## नेत्रहीन बच्चों की प्रतिभा देख भावुक हुए मंत्री नेताम,संस्था को 1 लाख की मदद का ऐलान

## मंत्र रामविचार नेताम ने बच्चों से पूछा- पढ़ाई और भोजन की व्यवस्था कैसी है

## ■ दिव्यांग विद्यालय के औचक निरीक्षण में बच्चों से सीधे संवाद, पढ़ाई, भोजन, ब्रेल शिक्षा और आवासीय व्यवस्थाओं का लिया जायजा रायपुर/ संवाददाता

गांधी जयंती के अवसर पर ‘सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान’ के तहत जिले के प्रभारी एवं कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम मनेन्द्रगढ़ स्थित एमसीबी जिला नेत्रहीन, विकलांग शिक्षण-प्रशिक्षण विद्यालय पहुंचे। मंत्री ने यहां औचक निरीक्षण कर बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उनकी पढ़ाई, भोजन, आवास, ब्रेल शिक्षा सहित विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। विद्यालय में बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास देखकर मंत्री नेताम भावुक नवर आए।

बच्चों ने स्वागत गीत और संगीत के साथ रामायण पाठ व सुंदरकांड की चौपाइयां प्रस्तुत की। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न जीव-जंतुओं की आवाजें निकालकर अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों की प्रस्तुतियों में दिखे आत्मविश्वास और सीखने की ललक की मंत्री ने जमकर सराहना की। बच्चों से संवाद करते हुए मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा से साबित कर दिया है कि वे किसी से पीछे नहीं हैं। बच्चों में संगीत, गायन और सांस्कृतिक गतिविधियों की शानदार प्रतिभा है। जरूरत सिर्फ उन्हें उचित अवसर और बड़ा मंच उपलब्ध कराने की है। उन्होंने कहा कि बच्चों में प्रतिभा के साथ आत्मविश्वास भी है। समाज और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि उनकी क्षमताओं को पहचाने और उन्हें आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर दे। बच्चों के बीच पहुंचकर उनकी प्रतिभा देखना उनके लिए भावुक और यादगार अनुभव रहा। मंत्री ने विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की संख्या, उनके अलग-अलग जिलों से आने



और उन्हें दी जा रही शिक्षा एवं प्रशिक्षण की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों से सीधे भोजन की गुणवत्ता और व्यवस्था के बारे में पूछा। शिक्षकों से पढ़ाई और प्रशिक्षण की स्थिति की जानकारी लेते हुए ब्रेल लिपि के भरण-पोषण से दी जा रही शिक्षा के बारे में भी चर्चा की।मंत्री ने जिला पंचायत सीईओ अर्किता सोम को विद्यालय का नियमित निरीक्षण करने और व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों की जरूरतों का समय पर

समाधान हो सके। विद्यालय के प्राचार्य संतोष चट्टोपकर ने संस्था के संचालन में आ रही आर्थिक कठिनाइयों और अन्य आवश्यकताओं की जानकारी मंत्री को दी। उन्होंने शिक्षकों के वेतन में वृद्धि तथा बच्चों के भरण-पोषण के लिए मिलने वाली राशि बढ़ाने का आग्रह किया। प्राचार्य ने बताया कि वर्तमान में बच्चों के भरण-पोषण के लिए 600 रुपये की राशि प्राप्त होती है, जिससे संस्था की व्यवस्थाएं संचालित करने में कठिनाई आती है। मंत्री

## संपादकीय

इसमें कोई दोराय नहीं कि देश को आजादी मिलने के बाद बीते करीब आठ दशक का सफर जहां बहुस्तरीय विकास का जीवंत उदाहरण है, वहीं इस दौरान लोगों ने बहुत सारे उतार-चढ़ाव भी देखे। मगर इस सबके बीच एक संकल्प कायम रहा कि जिन तुफानों और मुश्किलों का सामना करके देश ने स्वतंत्रता हासिल की थी, उसकी गरिमा को कायम रखना और भविष्य को ज्यादा बेहतर बनाना सभी का दायित्व है।इसमें आमतौर पर सभी नागरिकों ने अपने स्तर पर

अपनी सीमा में हर संभव योगदान दिया है और इसे कर्तव्य की तरह निभाया है। यही वजह है कि हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर आजादी के आंदोलन को याद करते हुए देश के पास संतोष और उल्लास के साथ न केवल एक सुनहरे भविष्य का सपना होता है, बल्कि उसे जमीन पर उतारने का हौसला भी दिखता है।आबादी के ज्यादातर हिस्से के पास विकास की रोशनी पहुंचाने के लिए अलग-अलग दौर की सरकारों ने जिस स्तर पर काम किया, उसे बहुत जटिल

संघर्षों के बाद मिली स्वतंत्रता की गरिमा और सपने को नया आयाम देने के प्रयासों के तौर पर देखा जा सकता है। यों देश की उपलब्धियों को आजादी की लड़ाई के नायकों की भूमिका के आईने में देखना स्वाभाविक ही है, लेकिन हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस के मौके पर संघर्ष की संवेदना को महसूस करने की अपनी अहमियत है। इस वर्ष भी यह उत्साह देश के अलग-अलग राज्यों में हर जगह दिखा। जाहिर है, इस अवसर पर जहां अतीत की उपलब्धियों को याद करना

एक औपचारिक, लेकिन संवेदना से जुड़ा अध्यय है, वहीं भविष्य की बेहतरी के संकल्प भी जरूरी हिस्सा है।इसी संदर्भ में दिल्ली में लालकिले से प्रधानमंत्री ने भी एक बार फिर वक्त के सुनहरे अध्यायों को याद करते हुए देश को एक बेहतर भविष्य की दिशा में आगे ले जाने का संकल्प दोहराया। उनकी इस बात का अपना महत्त्व है कि देश के विकास के लिए बड़े सपने सोच का विस्तार करते हैं और दृढ़ संकल्प होने पर कठिनाइयों और आपदाओं के बीच से रास्ते

निकालने की सामर्थ्य अपने आप सामने आती है।उन्होंने महिलाओं, युवाओं, किसानों, गरीब और मध्यवर्ग के परिवारों को साथ लेकर 2०47 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प को दोहराया। विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं के लिए तैतीस फीसद आरक्षण लागू करने के लिए सभी राजनीतिक दलों का आह्वान करने के साथ-साथ उन्होंने विकसित भारत बनाने के लिए 'शक्ति की ससंभार' का दृष्टिकोण भी साझा किया।दरअसल, यह देश की आत्मा में

बसे उस जीवट का संकेत है, जिसका उदाहरण समय-समय पर दुनिया ने देखा है। यह सही है कि आज भी देश के सामने विकास की कसीटियों के समोर अनैक जटिलताएं और चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं, लेकिन इन सबके बीच सामान्य स्थितियों से लेकर बेहद संवेदनशील और संकट जैसे हालात में भी लोगों ने धीरज के साथ देश की गति को बनाए रखने में अपना योगदान दिया है, जो वक्त के दस्तावेज में दर्ज होता रहा है।

पारंपरिक कूटनीतिक प्रोटोकॉल औपचारिक स्क्रिप्ट, राजकीय भोज और तयशुदा बयानों पर निर्भर करता है, जो अवसर पक्षों के बीच दूरी बढ़ाते हैं। जब कोई विदेशी प्रतिनिधि कोई सांस्कृतिक काम करता है, जैसे कि कोई मशहूर हिंदी गाना गाना, तो आम प्रोटोकॉल से हटकर किया गया यह काम अपनापन, विनम्रता और कोशिश को दिखाता है; लेकिन अगर इसे अच्छी तरह से नहीं लिया गया, तो इसके अजीब लगने का खतरा भी रहता है। इस संरचनात्मक बदलाव से कई तरह से यह बदलता है कि राजनयिक बातचीत को कैसे देखा जाता है सम्मान और तैयारी का संकेत- किसी विदेशी भाषा में गाने के बोल सीखना काफी मेहनत का काम है, जो यह दिखाता है कि आने वाला नेता मेज़बान देश की सांस्कृतिक पहचान को महत्व देता है। राजनीतिक हस्तियों को मानवीय रूप देना- यह तरीका किसी नेता के बारे में जनता की सोच को एक औपचारिक सरकारी प्रतिनिधि से बदलकर एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश करता है जिससे आसानी से जुड़ा जा सके।

(प्रोफेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय )

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विदेशी नेताओं द्वारा हिंदी गाने गाना भारत की सांस्कृतिक कूटनीति और सॉफ्ट पावर का प्रभावशाली उदाहरण है। मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम सहित कई वैश्विक हस्तियों के ऐसे प्रयास कूटनीतिक तनाव घटाने और जन-जुड़ाव बढ़ाने में सहायक रहे हैं। यह तरीका औपचारिक प्रोटोकॉल से परे आपसी सद्भावना और कूटनीतिक बातचीत को सहज बनाता है। दिल्ली में हुए ब्रिक्स 2026 शिखर सम्मेलन के दौरान, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने दो लोकप्रिय हिंदी फ़िल्मी गाने गाकर सबका ध्यान खींचा। उन्होंने 'ख़्वाब हो तुम या कोई हकीकत' और 'दोस्त, दोस्त न रहा, प्यार प्यार न रहा' गाने गाए। इससे पहले, फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया यात्रा के दौरान, अनवर ने 'कभी खुशी कभी गम' फिल्म के गाने 'बोले नज़्दियाँ' के साथ अपना आधिकारिक वीडियो एडिट करके उसमें बॉलीवुड का तड़का लगाया था।

अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में हिंदी गानों की भूमिका – विदेशी नेता और अधिकारी लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में हिंदी गाने गाते रहे हैं। जैसा कि कहा जाता है, 'संगीत की कोई भाषा नहीं होती। यह सीधे दिल से निकलता है।' समय के साथ, कई गैर-भारतीय हस्तियों ने वैश्विक आयोजनों में हिंदी गाने गाकर दर्शकों का दिल जीता है। इसके कुछ उल्लेखनीय उदाहरण नीचे दिए गए हैं। (ए) अगस्त 2023 में, भारत में तत्कालीन ब्रिटिश उच्चायुक्त सर अलेक्जेंडर एलिस ने फिशोर कुमार की जयंती के अवसर पर 'ब्लैकमेल' (1973) फिल्म का गाना 'फूल फल दिल के पास' गाते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पसंदीदा हिंदी फिल्में 'शोले' और 'चुपके-चुपके' हैं। यह सांस्कृतिक कूटनीति का एक बेहद व्यक्तिगत रूप था, क्योंकि ब्रिटिश राजनयिक ने खुद हिंदी गाना गाने में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया था। (बी) 27 से 28 अप्रैल 2018 तक चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित बुछान शिखर सम्मेलन के दौरान, हुबेई संग्रहालय में एक कार्यक्रम में चीनी संगीतकारों ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए हिंदी फिल्म 'ये वादा रहा' (1982) के गाने 'तू तू है वही दिल ने जिसे अपना कहा' की धुन (इंस्ट्रुमेंटल) बजाई। प्रचारमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, विदेशी धरती पर भारतीय संगीत सुनकर बहुत अच्छा लगा... हमारे कलाकार दुनिया भर में लोकप्रिय हैं। दिवंगत ऋषि कपूर, जो मूल गाने में नचर आए थे, ने भी ट्वीट किया, सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। (सी) मार्च 2021 में, भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संघू के लिए आयोजित एक डिनर में, जिसमें अमेरिकी नौसेना के चीफ ऑफ नेवल ऑपरेशन्स एडमिरल माइकल गिल्डे भी शामिल हुए थे, अमेरिकी नौसेना के आधिकारिक बैंड 'सी चैट्स' ने हिंदी फिल्म 'स्वदेश' ( 2004 ) का गाना 'ये जो

# राष्ट्रध्यक्षों द्वारा हिंदी गाने गाकर सांस्कृतिक जुड़ाव की रणनीतिक



देश है तेरा' पेश किया। अमेरिकी नौसेना बैंड ने ट्वीट किया, नौसेना बैंड 1925 से ही नौसेना को सहयोगी देशों से जोड़ रहा है! होली की शुभकामनाएं। राजदूत संघू ने जवाब दिया, यह दोस्ती का ऐसा बंधन है जिसे तोड़ा नहीं जा सकता। (डी) 2019 में, महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाने के लिए 124 देशों के संगीतकारों ने भक्ति गीत 'वैष्णव जन तो तेने कहिये' की एक मेडली (कई धुनों का मिश्रण) पेश की। भारत के विदेश मंत्रालय की अगुवाई वाली इस पहल में आर्मेनिया से अंगोला और आइसलैंड से इराक तक के देशों के कलाकार शामिल थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका संकलन वीडियो जारी किया। राजनीतिक वैज्ञानिक इस घटनाक्रम को 'सांस्कृतिक कूटनीति' या 'बॉलीवुड कूटनीति' कहते हैं। इसमें सॉफ्ट पावर के एक साधन के तौर पर हिंदी सिनेमा का इस्तेमाल किया जाता है और कूटनीतिक प्रोटोकॉल के साथ सांस्कृतिक जुड़ाव में संतुलन बनाया जाता है। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने इस तरीके को अपनाने में काफी कुशलता दिखाई है।

कूटनीति में तनाव कम करना और मनोवैज्ञानिक तालमेल – जो विदेशी नेता या प्रतिनिधि हिंदी गाने गाते हैं या सीधे तौर पर भारतीय सांस्कृतिक चीजों से जुड़ते हैं, वे पब्लिक डिलीमेसो (जन-कूटनीति) के एक बहुत असरदार तरीके का इस्तेमाल करते हैं। आज के अंतरराष्ट्रीय संबंधों में, जहां प्रभाव राजनीतिक या सैन्य दबाव के बजाय आकर्षण पर टिका होता है, किसी देश की लोकप्रिय संस्कृति से इसका जुड़ाव कूटनीतिक तनाव को कम करता है। इससे तुरंत सद्भावना बढ़ती है, हालांकि अगर यह दिखावा लगे

तो बनावटी भी लग सकता है। पारंपरिक कूटनीतिक प्रोटोकॉल औपचारिक स्क्रिप्ट, राजकीय भोज और तयशुदा बयानों पर निर्भर करता है, जो अवसर पक्षों के बीच दूरी बढ़ाते हैं। जब कोई विदेशी प्रतिनिधि कोई सांस्कृतिक काम करता है, जैसे कि कोई मशहूर हिंदी गाना गाना, तो आम प्रोटोकॉल से हटकर किया गया यह काम अपनापन, विनम्रता और कोशिश को दिखाता है; लेकिन अगर इसे अच्छी तरह से नहीं लिया गया, तो इसके अजीब लगने का खतरा भी रहता है। इस संरचनात्मक बदलाव से कई तरह से यह बदलता है कि राजनयिक बातचीत को कैसे देखा जाता है सम्मान और तैयारी का संकेत- किसी विदेशी भाषा में गाने के बोल सीखना काफी मेहनत का काम है, जो यह दिखाता है कि आने वाला नेता मेज़बान देश की सांस्कृतिक पहचान को महत्व देता है। राजनीतिक हस्तियों को मानवीय रूप देना- यह तरीका किसी नेता के बारे में जनता की सोच को एक औपचारिक सरकारी प्रतिनिधि से बदलकर एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश करता है जिससे आसानी से जुड़ा जा सके। इससे अहम बातचीत के दौरान भावनात्मक दूरियां कम होती हैं, हालांकि अगर यह दिखावटी लगे तो इसका असर सीमित हो सकता है।

साझा सांस्कृतिक और सिनेमाई मूल्यों से जुड़ाव – हिंदी सिनेमा (बॉलीवुड) और संगीत ऐतिहासिक रूप से वैश्विक 'सॉफ्ट पावर' के बड़े माध्यम रहे हैं। दशकों से, भारतीय सिनेमा मध्य एशिया, मध्य पूर्व, अफ्रीका, पूर्वी यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया में लोकप्रिय रहा है। जब गैर-भारतीय नेता शास्त्रीय या आधुनिक हिंदी गाने गाते हैं, तो वे लोगों की पुरानी सांस्कृतिक यादों को ताजा करते हैं-जैसे सोवियत-बाद के देशों और रूस में,

'सर पे लाल टोपी रूसी' गाना, जिसे 'मेरा जुता है जापानी' के नाम से भी जाना जाता है, 1955 की बॉलीवुड क्लासिक फिल्म 'श्री 420', जिसमें राज कपूर मुख्य भूमिका में थे, की बहुत ज्यादा लोकप्रियता मिली। इस वापसी ने सोवियत-युग की यादें ताजा कर दीं और शीत युद्ध के बाद के रिश्तों को फिर से मजबूत किया, जिससे राज कपूर एक सांस्कृतिक आइकन के तौर पर उभरे। दक्षिण-पूर्व एशिया में, रामायण और महाभारत जैसे साझा महाकाव्य और बॉलीवुड संगीत, गहरी सांस्कृतिक और भाषाई जड़ों वाले रिश्तों को और मजबूत करते हैं। पश्चिमी देशों में, जिनमें अमेरिका और ब्रिटेन शामिल हैं, आज के दौर के ग्लोबल हिट गाने और क्रॉसओवर ट्रैक प्रभावशाली भारतीय समुदाय और वहां के मतदाताओं से जुड़ते हैं। भारतीय जनता और प्रवासी समुदायों से सीधा जुड़ाव- सरकार के मंत्रियों तक सीमित पारंपरिक विदेश नीति की पहलों के उलट, सांस्कृतिक जुड़ाव की कोशिशें ऊँचे राजनयिक चैनलों को छोड़कर सीधे आम जनता और दुनिया भर में बसे भारतीयों से जुड़ती हैं। इससे तुरंत सद्भावना बनाने वाली बात और पुझा होती है। भारत का प्रवासी समुदाय दुनिया में सबसे बड़ा है। फिर भी, इसका फायदा इस बात पर निर्भर करता है कि यह पहल कितनी भरोसेमंद और लंबे समय तक चलने वाली लगती है।

भारत की वैश्विक सांस्कृतिक पहचान के साथ तालमेल – आज की भारतीय विदेश नीति में, 'सॉफ्ट पावर' की रणनीतियाँ – जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का दुनिया भर में विस्तार और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक आदान-प्रदान - देश की पहचान को 'विश्वमित्र' (एक वैश्विक दोस्त) और एक सांस्कृतिक शक्ति के तौर पर पेश करने में अहम भूमिका निभाती हैं। कड़े रुख में नरमो-उदाहरण के लिए, ब्रिक्स 2026 के दौरान माहौल काफी तनावपूर्ण था क्योंकि डी-डॉलरराइजेशन ('डॉलर का इस्तेमाल कम करना'), अमेरिका की टैरिफ की धमकियाँ, रूस-यूक्रेन की स्थिति और भारत-चीन सीमा वातां जैसे कई मुद्दे एक साथ चल रहे थे। फिर भी, मलेशियाई प्रधानमंत्री के एक साधारण गाने ने तनाव को कम कर दिया। इसी तरह, रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए, चीन ने 2018 में डोकलाम विवाद के ठीक बाद वुहान में 'तू तू है वही' गाना बजाया। संगीत चुपचाप यह संदेश देता है- 'भले ही सीमा पर हमारे बीच टकराव हो, लेकिन हम एक धुन तो साझा कर ही सकते हैं।'

## पहनावा निजी पसंद, समाज को हस्तक्षेप का हक नहीं

आज दुनिया को 'इलाज आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था' से 'रोकथाम आधारित पर्यावरणीय स्वास्थ्य व्यवस्था' की ओर बढ़ना होगा। अस्पताल बीमारी आने के बाद काम करता है, लेकिन स्वच्छ हवा बीमारी आने से पहले ही उसकी संभावना कम कर देती है। सुरक्षित पेयजल अस्पतालों पर बोझ घटाता है। विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का संदेश है- 'पर्यावरण स्वास्थ्य-समुदायों की रक्षा के लिए विज्ञान के साथ रक्षा का आह्वान नहीं है, बल्कि विज्ञान, प्रमाण और सामूहिक जिम्मेदारी को मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा से जोड़ती है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता यही समझने की है कि पर्यावरण और स्वास्थ्य दो अलग-अलग विषय नहीं हैं। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जिस पानी को पीते हैं, जिस मिट्टी में अब उगाता है, जिस तापमान में हमारा शरीर जीता है और जिस जैव-विविधता के बीच हमारा जीवन चलता है, ये सभी हमारे स्वास्थ्य के अदृश्य आधार हैं। पर्यावरण बीमार होगा तो मनुष्य स्वस्थ नहीं रह सकता और मनुष्य अस्वस्थ जीवन पर्यावरण को और अधिक बीमार कराए। दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है और जल-संकट अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की वास्तविकता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार

## स्वस्थ पर्यावरण तो स्वस्थ मानव, यही स्वस्थ पृथ्वी का संकल्प

(ललित गर्ग) आज दुनिया को 'इलाज आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था' से 'रोकथाम आधारित पर्यावरणीय स्वास्थ्य व्यवस्था' की ओर बढ़ना होगा। अस्पताल बीमारी आने के बाद काम करता है, लेकिन स्वच्छ हवा बीमारी आने से पहले ही उसकी संभावना कम कर देती है। सुरक्षित पेयजल अस्पतालों पर बोझ घटाता है। हरित क्षेत्र मानसिक स्वास्थ्य को सहारा देते हैं। स्वच्छ ऊर्जा क्षसन रोगों का जोखिम घटाती है। बेहतर सार्वजनिक परिवहन वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन दोनों को कम कर सकता है। यही पर्यावरण और स्वास्थ्य का वास्तविक सहजीवन है। इसलिए विकास की परिभाषा पर भी पुनर्विचार जरूरी है। उंची इमारतें, चौड़ी सड़कें, अधिक उपभोग और अधिक उत्पादन अपने आप में विकास नहीं है। विकास वह है जिसमें मनुष्य के साथ नदी, जंगल, मिट्टी, पशु-पक्षी और आने वाली पीढ़ियों के जीवन का भी स्थान हो। यूएन-ईपी के नवीनतम ग्लोबल इनवार्मेंट आउटलुक- 7 ने भी रेखांकित किया है कि स्थिर जलवायु, स्वस्थ प्रकृति, बेहतर भूमि-प्रबंधन और प्रदूषण-मुक्त वातावरण में निवेश से आने वाले दशकों में अर्थव्यवस्था को बड़े लाभ मिल सकते हैं, जबकि वर्तमान विनाशकारी रास्ता जलवायु, जैव-विविधता, भूमि और स्वास्थ्य पर भारी कौन कम खाल सफाई है। यहां भारत के लिए भी एक बड़ी संभावना छिपी है। जल-संरक्षण को केवल सरकारी योजना न बनाकर जन-आंदोलन बनाना होगा। वर्षाजल संचयन, तालाबों और झीलों का पुनर्जीवन, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह की रक्षा, भूजल का वैज्ञानिक प्रबंधन, जल-अपव्यय पर नियंत्रण और कृषि में कम पानी वाली तकनीकों का विस्तार-ये सब पर्यावरण नीति के साथ-साथ स्वास्थ्य नीति भी हैं। हर पुनर्जीवित तालाब केवल पानी नहीं बचाता, वह भविष्य की बीमारी, विस्थापन और खाद्य-संकट को भी कम करने में योगदान देता है। इसी प्रकार जंगलों और जैव-विविधता की रक्षा को भी स्वास्थ्य के केंद्र में लाना होगा। मनुष्य ने जब जंगलों को काटा, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को नष्ट किया और प्रकृति के संतुलन को तोड़ा, तो उसका प्रभाव केवल पेड़-पौधों तक सीमित नहीं रहा। डब्ल्यू.एच.ओ. आज पर्यावरण, पशु और मानव स्वास्थ्य को एक साथ देखने वाले 'वन हेल्थ' दृष्टिकोण पर बल देता है।

## देहली में एकजुट दिखने वाले दल यूपी में आपस में लड़ रहे, इंडिया ब्लाक की यह कैसी एकता है

(नौरज कुमार दुबे )

देखा जाये तो राजनीति में असली परीक्षा मंच पर हाथ मिलाने की नहीं, मैदान में सीट बांटने की होती है। और यहीं से कहानी बदल जाती है। उत्तर प्रदेश में 403 विधानसभा सीटों का हिसाब किताब शुरू होते ही सपा और काँग्रेस के बीच पुरानी दोस्ती की परतें खुरचने लगी हैं। दिल्ली में विपक्षी गठबंधन इंडिया के भीतर एक बार फिर एकजुटता की कवायद तेज हो गयी है। चुनाव आयोग से संबंधित मुद्दे पर साझा लड़ाई लड़ने की तैयारी हो रही है, नेताओं के बीच बातचीत बढ़ी है और दिल्ली में सभी विपक्षी दलों की बैठक भी बुला ली गई है। लेकिन सियासत का असली सवाल यह है कि क्या दिल्ली की एकजुटता उत्तर प्रदेश की जमीन तक पहुंच पाएगी क्योंकि जिस गठबंधन को दिल्ली में एक मंच पर खड़ा करने की कोशिश हो रही है, उसी गठबंधन के सबसे बड़े चुनावी मैदान उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और काँग्रेस के बीच खींचतान लगातार खुलकर सामने आ रही है। उल्लेखनीय है कि तुरण्मूल कांग्रेस नेता आभिवेक बनर्जी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी चुनाव आयोग के मुद्दे पर विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने और उन दलों से संवाद बढ़ाने पर चर्चा कर रहे हैं, जो हाल के महीनों में कांग्रेस से दूरी बनाए हुए हैं। इसके साथ ही इंडिया गठबंधन के घटक दलों की बैठक बुलाने, संयुक्त प्रेस वार्ता और देशव्यापी साझा आंदोलन की संभावना पर भी बातचीत चल रही है। यानी ऊपर से संदेश यही है कि विपक्ष को फिर एक साथ खड़ा किया जाए। मगर हुजूर, राजनीति में असली परीक्षा मंच पर हाथ मिलाने की नहीं, मैदान में सीट बांटने की होती है। और यहीं से कहानी बदल जाती है। उत्तर प्रदेश में 403 विधानसभा सीटों का हिसाब किताब शुरू होते ही सपा और काँग्रेस के बीच पुरानी दोस्ती की परतें खुरचने लगी हैं। कांग्रेस ज्यादा सीटों की मांग कर रही है, जबकि समाजवादी पार्टी अपनी ताकत और पिछले चुनावी प्रदर्शन के आधार पर बड़ा हिस्सा अपने पास रखना चाहती है। दोनों दल अपने-अपने स्तर पर सीटों की ताकत-कमजोरी का आकलन कर



रहे हैं और गंभीर सीट बंटवारे की बातचीत अक्टूबर में शुरू होने की संभावना बताई गई है। उभर, तनाव सिर्फ बंद कमरों की बातचीत तक सीमित नहीं है। कांग्रेस के इमरान मसूद ने जट्ट गठबंधन तय करने की मांग की और कहा कि भ्रम की स्थिति में कांग्रेस चुनावी तैयारी नहीं कर सकती। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने तो यहां तक कहा कि मतभेद होने पर पार्टी सभी सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। दूसरी तरफ सपा की सांसद इकरा हसन ने साफ कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को चुनौती देने की क्षमता अखिलेश यादव के नेतृत्व में है। इस तरह यानी एक ही गठबंधन में दो सुर, दो दावे और दो नेतृत्व केंद्र दिखाई दे रहे हैं। अखिलेश यादव का रायबरेली से पीडीए यात्रा शुरू करना भी इसी रस्साकशी का हिस्सा माना जा रहा है। रायबरेली कांग्रेस का पारंपरिक गढ़ रहा है, लेकिन अखिलेश ने वही से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू कर यह संदेश दिया कि उत्तर प्रदेश में जमीन-किसके पास है, इसका हिसाब अलग से होगा। इसे कई राजनीतिक

विश्लेषक सीट बंटवारे से पहले सपा की राजनीतिक ताकत दिखाने की कवायद के तौर पर देख रहे हैं। और अब मैनपुरी-इटवा-सैफई की धरती से शिवपाल सिंह यादव का बयान इस खींचतान में नया तड़का लगा रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा था कि अखिलेश रायबरेली जा सकते हैं तो शिवपाल भी इटावा, कन्नौज और मैनपुरी जाएंगे। जबकि नें शिवपाल ने कहा- जाएँ, अभियान चलाएँ। लेकिन वहां कांग्रेस को वोट नहीं मिलेगा। उन्होंने अपने जसवंतनगर क्षेत्र का हवाला देते हुए कांग्रेस को वहां वोट न मिलने की बात कही और सपा की जीत का दावा किया। अब शिवपाल के इस बयान का राजनीतिक मतलब समझिए। यह सिर्फ किसी एक रेली या दौर पर प्रतिक्रिया नहीं है। यह दरअसल सपा के उस आत्मविश्वास का प्रदर्शन है जिसमें वह कांग्रेस को यह याद दिलाना चाहती है कि उत्तर प्रदेश में गठबंधन की जमीन सपा के संगठन और सामाजिक आधार से तैयार होती है। मैनपुरी, इटावा और सैफई जैसे इलाकों में



काँग्रेस का चुनावी अभियान सपा के लिए सिर्फ सहयोगी दल की गतिविधि नहीं, बल्कि अपने प्रभाव क्षेत्र में दूसरे सहयोगी की राजनीतिक मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है। यही इंडिया गठबंधन की सबसे बड़ी पहली है। दिल्ली में सवाल है कौन-कौन साथ आएगा उत्तर प्रदेश में सवाल है किसके साथ कौन कितनी सीट पर लड़ेगा दिल्ली में साझा मुद्दे खोजे जा रहे हैं, लखनऊ में सीटों का हिसाब किताब चल रहा है। दिल्ली में एकजुटता की तस्वीर खींची जा रही है और यूपी में दोनों दल अपने-अपने झंडे ऊंचे करने में जुटे हैं। हम आपको याद दिला दें कि 2024 में उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस ने मिलकर 43 लोकसभा सीटें जीती थीं। सपा 37 और कांग्रेस छह पर विजयी रही थी। यही प्रदर्शन अब दोनों दलों के आत्मविश्वास और दावेदारी का आधार बन रहा है। लेकिन 2027 की विधानसभा राजनीति का गणित अलग है। सपा अपने संगठन, सामाजिक समीकरण और विधानसभा में अपनी मौजूदा ताकत के आधार पर ज्यादा हिस्सेदारी चाहती है, जबकि कांग्रेस 2024 के प्रदर्शन और राहुल गांधी की सक्रियता को अपनी बढ़ती राजनीतिक हैसियत का आधार बना रही है। प्रचारअभियान और चुनाव भी मामला साफ है। इंडिया गठबंधन को जोड़ने की कोशिश दिल्ली में हो रही है, लेकिन उसे बचाने की असली परीक्षा उत्तर प्रदेश में होनी है। क्योंकि गठबंधन सिर्फ नेताओं की मुलाकातों और साझा तस्वीरों से नहीं चलता। गठबंधन तब कारगर है जब कार्यालयों एक-दूसरे के लिए जमीन छोड़ें, नेता एक-दूसरे की सीमा का सम्मान करें और सीटों के बंटवारे पर दोनों पक्ष अपनी महत्वाकांक्षा को किसी साझा फ़ांमेले में बांध सकें। वरना दिल्ली में जितनी बार हथ मिल्ने, मैनपुरी और रायबरेली में उतनी ही बार पैर एक-दूसरे की जमीन पर पड़ते दिखाई देंगे। उत्तर प्रदेश की राजनीति में यही पैर कब एक-दूसरे के रास्ते में आ जाए, इसका फैसला अवसर दिल्ली की बैठक नहीं, जमीन पर लड़ने वाला कांक्सट करता है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

# केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान और दिग्गज हस्तियों ने दिया ‘सफलता और राष्ट्र निर्माण’ का महामंत्र

## रायपुर में ‘रोलबोल यूथ कॉन्क्लेव 2026’ का भव्य समापन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में युवाओं को प्रेरणा, नवाचार और सफलता के नए रास्तों से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित 'रोलबोल यूथ कॉन्क्लेव 2026' एवं 'रोलबोल टॉक्स' का रविवार को गरिमाय और भव्य समापन हुआ। रायपुर के जेल रोड स्थित पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय (मेकाहाय) के ऑडिटोरियम में आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह में देश के विभिन्न क्षेत्रों की सफल शख्सियतों ने युवाओं के साथ अपने प्रेरणादायी अनुभव साझा किए। इस भव्य यूथ कॉन्क्लेव में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमन डेका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि युवा ही देश के भविष्य की नींव हैं। इस अवसर पर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री गुरुकुलसंत साहेब भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने युवाओं की ऊर्जा और रोलबोल कम्युनिटी के इस अभिनव प्रयास की



जमकर सराहना की। कार्यक्रम में देश की जानी-मानी हस्तियों ने अपनी संघर्ष और सफलता की कहानियों से हॉल में मौजूद हर युवा के भीतर एक नया जोश भर दिया। समारोह में मुख्य वक्ता के तौर पर पहुंचे केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान को सुनने के लिए युवाओं में भारी उत्साह देखा गया। अपने ओजस्वी संबोधन में उन्होंने जीवन के उतार-चढ़ाव साझा करते हुए कहा, जीवन में आपको चौंसैसे (चिकल्प) कितनी मिलती हैं, यह मायने नहीं रखता, बल्कि आपने उन विकल्पों में से क्या चुन (चुनाव) किया है, यह मायने रखता है। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि कभी भी जल्दबाजी में कोई फैसला न लें।



अपने पिता (दिवंगत नेता रामविलास पासवान) के जाने के बाद के मुश्किल दौर को याद करते हुए भावुक अंदाज में उन्होंने कहा, पिताजी के जाने के बाद मेरे सामने दो ही रास्ते थे—या तो मैं परिस्थितियों के आगे सरेंछर कर देता या फिर लड़ते हुए आगे बढ़ता। मैंने आगे बढ़ना चुना। एक वक्त ऐसा आया जब मैंने अपना घर और अपनी राजनीतिक पार्टी तक छो दी, लेकिन हार नहीं मानी। उनके इस जज्बे को सुनकर पूरा ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज उठा। द कश्मीर फाइल्स फेम मशहूर बॉलीवुड अभिनेता दर्शन कुमार ने युवाओं को 'नेवर गिव अप' का मंत्र दिया। उन्होंने अपनी यात्रा के बारे में बताते हुए कहा



कि उन्होंने दिल्ली में स्ट्रेज शौ और थियेटर से शुरुआत की थी। इसके बाद जब वे मुंबई आए, तो नसीरुद्दीन शाह का थियेटर ग्रुप जॉइन किया। उन्होंने बताया, मुंबई में मैंने अनगिनत ऑडिशन दिए, लगातार रिजेक्शन झेले, लेकिन हार नहीं मानी। लंबे संघर्ष के बाद मुझे पहला टीवी सीरियल मिला। थियेटर से जुड़े दर्शन कुमार ने युवाओं से कहा कि लाइफ में मुश्किलें बहुत आएंगी, अप्स-एंड-डाउन चलते रहेंगे, बस अपनी मेहनत पर भरोसा रखो और आगे बढ़ते रहो। पत्रकार और राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के विशेषज्ञ आदित्य राज कोल ने युवाओं को संबोधित करते हुए अपनी जर्नालिस्टिक जर्नी साझा की।

## सेवा संकल्प अभियान: शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं : वन मंत्री केदार कश्यप

कोण्डागांव । वन मंत्री केदार कश्यप कोण्डागांव जिले के मर्दापाल में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा सेतु अभियान के तहत आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल हुए। वन मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने शासन की मंशा के अनुरूप पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर देते हुए कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों को दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन और सहकारी समितियों से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के लिए प्रयास करने को कहा। कश्यप ने ग्रामीणों को अपने घरों में फलदार पौधे लगाने के लिए प्रेरित करने को भी कहा, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ उनकी आय में वृद्धि हो सके। शिविर में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर



ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई और शिविर में विभागीय स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी और शिविर में ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों को बी-वन, खसरा एवं स्वामित्व संबंधी दस्तावेज, जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, सहायक उपकरण और मछली पकड़ने के

## सेवा संकल्प अभियान में जनसंवाद के जरिए जनभागीदारी को बढ़ावा दे रहीं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

सूरजपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत गोरखनाथपुर और कमलापुर में ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं और गांव की आवश्यकताएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को उनके निराकरण के लिए तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए। जनसंवाद के दौरान मंत्री ने जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाने और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया। ग्रामीणों ने मंत्री राजवाड़े के समक्ष स्थानीय समस्याएं और अपनी जरूरतें रखीं। मंत्री राजवाड़े ने प्रत्येक विषय को गंभीरता से सुना और समाधान के लिए आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं की सफलता इस बात से तय होती है कि उनका लाभ जरूरतमंद और पात्र परिवारों तक कितनी प्रभावी ढंग से पहुंचता है। इसके लिए जरूरी है कि अधिकारी



आम लोगों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहें और उन के निराकरण के लिए कुमद बत्ती में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में मंत्री राजवाड़े ने युवाओं और नागरिकों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। उन्होंने युवाओं से अपने स्वास्थ्य और भविष्य के प्रति सजग रहने की अपील करते हुए कहा कि नशे की आदत व्यक्ति की सेहत, परिवार की खुशहाली और उसकी प्रगति को प्रभावित करती है। उन्होंने नागरिकों से नशे के दुष्परिणामों के बारे में आसपास के लोगों को जागरूक करने और परिवार तथा समाज में नशामुक्त वातावरण बनाने में सहयोग देने का आग्रह किया। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इन कार्यक्रमों में जनसंवाद, पोषण जागरूकता और नशामुक्ति का संदेश एक साथ सामने आया।

## आदेश का पालन नहीं करने पर हाईकोर्ट सख्त आबकारी कमिश्नर और अपर आयुक्त को नोटिस

बिलासपुर। आबकारी विभाग में पदस्थ प्रधान आरक्षक को विभागीय प्रतियोगी परीक्षा में सर्विस रिकॉर्ड के अंक कम देकर अनुत्तीर्ण किए जाने के मामले में हाईकोर्ट ने कड़व रुख अपनाया है। कोर्ट के आदेश के बावजूद तय समय में मामले पर कार्रवाई नहीं किए जाने पर आबकारी कमिश्नर पी.एस. एल्मा और अपर आबकारी आयुक्त पी.एल. साहू को अवमानना नोटिस जारी किया गया है।



दरअसल, बिलासपुर के महर्षि स्कूल रोड निवासी मुकेश कुमार शर्मा जिला जांजगीर-चापा में आबकारी विभाग में प्रधान आरक्षक के पद पर पदस्थ हैं। उन्होंने आबकारी उपनिरीक्षक (सब इंस्पेक्टर) पद के लिए आयोजित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा में हिस्सा लिया था। आरोप है कि सर्विस रिकॉर्ड के 15 अंक कम दिए जाने के कारण उन्हें परीक्षा में अनुत्तीर्ण कर दिया गया। इसके बाद मुकेश कुमार शर्मा ने हाईकोर्ट अधिवक्ता अभिषेक पांडेय के माध्यम से हाईकोर्ट में रिट याचिका

बाद भी हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया गया। करीब 9 महीने बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर याचिकाकर्ता ने दोबारा हाईकोर्ट का रुख किया और अवमानना याचिका दायर की। अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने दलील दी कि हाईकोर्ट के आदेशों का समय पर पालन नहीं होने से अवमानना याचिकाओं की संख्या बढ़ रही है। इससे न्यायालय का महत्वपूर्ण समय ऐसे मामलों की सुनवाई में खर्च होता है और अन्य मामलों की सुनवाई प्रभावित हो सकती है। मामले को गंभीरता से लेते हुए हाईकोर्ट ने आबकारी कमिश्नर पी.एस. एल्मा और अपर आबकारी आयुक्त पी.एल. साहू को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने दोनों अधिकारियों से पूछा है कि हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं करने पर उनके खिलाफ न्यायालय अवमानना अधिनियम, 1971 के तहत कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए।

## डॉक्टरों के स्टाइपेंड बढ़ोतरी का वायरल आदेश फर्जी, चिकित्सा शिक्षा विभाग ने किया खंडन

रायपुर। डॉक्टरों के स्टाइपेंड और मानदेय-वेतन में बढ़ोतरी से संबंधित सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित शासकीय आदेश को चिकित्सा शिक्षा विभाग ने फर्जी करार दिया है। विभाग ने रविवार को स्पष्ट किया है कि वायरल हो रहा दस्तावेज उसकी ओर से जारी नहीं किया गया है और यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से तैयार किया गया भ्रामक दस्तावेज है। सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित आदेश में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में कार्यरत जूनियर रजिडेंट, प्रदर्शक और स्वास्थ विभाग के अंतर्गत पदस्थ चिकित्सा अधिकारियों के स्टाइपेंड एवं मानदेय में बढ़ोतरी का दावा किया गया है। इसमें इन चिकित्सकों को प्रतिमाह 73,152 रुपये दिए जाने और संशोधित राशि एक नवंबर 2026 से प्रभावी होने का उल्लेख है। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने मामले का संज्ञान लेते हुए कहा है कि इस तरह का कोई आदेश विभाग की ओर से जारी नहीं किया गया है। विभाग ने वायरल दस्तावेज को पूरी तरह फर्जी बताते हुए चिकित्सकों, चिकित्सा विद्यार्थियों और आम नागरिकों से इस पर भरोसा नहीं करने की अपील की है। विभाग ने कहा है कि किसी भी शासकीय आदेश अथवा नियम की प्रामाणिकता की पुष्टि अधिकृत माध्यमों से प्राप्त जानकारी के आधार पर ही की जाए। साथ ही सोशल मीडिया पर प्रसारित इस फर्जी दस्तावेज को वास्तविक सरकारी आदेश बताकर आगे साझा नहीं करने की अपील की गई है।

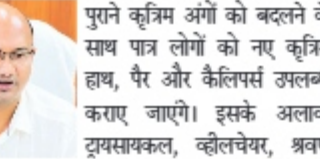
## आदिवासी छात्राओं की शिक्षा, सुरक्षा और सुविधाओं का जायजा लेने छात्रावास पहुंची डॉ. वर्णिका शर्मा



बालोद। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने अपने बालोद प्रवास के दौरान आदिम जाति विकास विभाग द्वारा संचालित शासकीय पोस्ट मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया और छात्राओं से संवाद कर उनकी पढ़ाई, रहन-सहन तथा आवश्यक सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। छात्राओं ने बातचीत के दौरान पढ़ाई में सहयोग के लिए ट्यूशन शिक्षक, कंप्यूटर और पुस्तकालय की मांग रखी। डॉ. शर्मा ने उनकी बातें सुनीं और छात्राओं की शैक्षणिक जरूरतों पर ध्यान देने पर जोर दिया। उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने लक्ष्य हासिल करने तथा देश और प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. शर्मा ने बालिका कक्षों, बाथरूम और सेनेटरी वेंडिंग मशीन की स्थिति देखी। उन्होंने छात्रावास में स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण बनाए रखने की आवश्यकता बताई। छात्रावास अधीक्षिका सहित संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं का बेहतर रखरखाव करने और छात्राओं को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं पर ध्यान देने के निर्देश दिए। डॉ. शर्मा ने छात्राओं की सुरक्षा, स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने छात्राओं की आवश्यकताओं और समस्याओं को गंभीरता से लेकर उनका निराकरण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

## जगदलपुर में 6 अक्टूबर को विशेष दिव्यांगजन शिविर दिव्यांगजनों को मिलेंगे कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण

नारायणपुर । जिले के दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग और विभिन्न सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए 6 अक्टूबर को जगदलपुर के क्रीड़ा परिसर में विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी चित्रकांत चाली ठाकुर ने प्रेस वार्ता के माध्यम से जिले के पात्र दिव्यांगजनों से शीघ्र पंजीयन करने और शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि शिविर का आयोजन 5 से 7 अक्टूबर तक किया जा रहा है, जिसमें 6 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से दिव्यांगजनों का परीक्षण कर आवश्यकतानुसार उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। नारायणपुर जिले के हितग्राही भी इसमें शामिल होकर सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। शिविर में तीन वर्ष से अधिक



पुराने कृत्रिम अंगों को बदलने के साथ पात्र लोगों को नए कृत्रिम हाथ, पैर और कैलिसर्प उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा ट्रायसायकल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, बैसाखी, छड़ी और स्मार्ट छड़ी सहित अन्य उपयोगी उपकरण भी दिए जाएंगे। सीईओ ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा विशेष रूप से नक्सल मुक्त क्षेत्रों के पात्र दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ दिलाने पर जोर दिया जा रहा है। शिविर में आने वाले हितग्राहियों को आधार कार्ड की प्रती, दो पासपोर्ट आकार के फोटो और दिव्यांगता प्रमाण पत्र साथ लाना होगा। पंजीयन और अन्य जानकारी के लिए संबंधित ग्राम पंचायत, नगर पालिका या समाज कल्याण विभाग, नारायणपुर से संपर्क किया जा सकता है।

## विशेष ग्राम सभा की मांग एवं सुझाव विकास कार्ययोजना में होंगे शामिल सीईओ जिला पंचायत

नारायणपुर । गांधी जयंती के अवसर पर नारायणपुर जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इसी तारक्य में ग्राम पंचायत बड़े जम्हरी, जनपद पंचायत नारायणपुर में आयोजित विशेष ग्राम सभा में ग्रामीणों ने गांव के विकास से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए विकसित भारत जी तैयार करने के उद्देश्य से ग्राम सभा में सर्वसम्मति से गहलु छके को अध्यक्ष चुनते हुए ग्राम पंचायत के आय-व्यय का विवरण ग्राम सभा के समक्ष प्रस्तुत किया। चर्चा के दौरान ग्रामीणों प्रत्येक घर तक नियमित एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नल-जल व्यवस्था, खेतों से फसलों को आसानी से बाहर निकालने एवं



कृषि कार्यों को सुविधाजनक बनाने के लिए खेतों तक घरसा निर्माण, वन उत्पादों से जुड़े समूहों की सुविधा एवं गतिविधियों के संचालन के लिए वन घन शेड निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों की मांग रखी। विशेष ग्राम सभा को संबोधित करते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी चित्रकांत चाली ठाकुर ने कहा कि ग्राम सभा लोकतांत्रिक व्यवस्था में ग्रामीणों की भागीदारी का महत्वपूर्ण माध्यम है। विशेष ग्राम सभा के माध्यम

से ग्रामीणों की स्थानीय आवश्यकताओं, समस्याओं एवं प्राथमिकताओं को सीधे विकास योजना में शामिल करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के मंशानुरूप विशेष ग्राम सभाओं में ग्रामीणों द्वारा रखी गई मांगों एवं सुझावों को प्राथमिकता के आधार पर संकलित कर विकसित भारत जी राम जी के अंतर्गत ग्राम पंचायतों की विकास कार्ययोजना में शामिल किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से विकास कार्यों के क्रियान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाने और ग्राम पंचायत को स्वच्छ, आत्मनिर्भर एवं विकसित बनाने में सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर गांव के वयस्क एवं युद्धजनों सोमनाथ जुटेल, चमरा राम करी, कामदेव छके, दुर्गोबाई पोटाई, कुमारी छके, सुलोती छके, बुधियारी करंगा, सुकली कलाम एवं मानती मंडवो का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया।

## आईईडी विस्फोटों की विरह वेदना से बाहर आएगा बस्तर, पीड़ितों को मिलेंगे कृत्रिम हाथ-पैर : उप मुख्यमंत्री शर्मा

## जगदलपुर में 5 से 7 अक्टूबर और दंतेवाड़ा में 15 से 17 अक्टूबर तक लगेगा निःशुल्क विशाल दिव्यांग सेवा शिविर

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि बस्तर अब आईईडी विस्फोटों की विरह वेदना से बाहर निकलने को तैयार है। वर्षों तक नक्सल हिंसा के दौर में बस्तर के अनेक इलाकों में सड़कों, नदी-तालाबों के किनारे और स्कूलों के आसपास लगाए गए आईईडी की चपेट में सुरक्षाबलों के जवानों के साथ आम नागरिक और पशु भी आए। कई नागरिकों ने इन विस्फोटों में अपने हाथ-पैर गंवाए और दिव्यांगता के साथ कठिन जीवन जी रहे हैं। जिनकी वेदना को कम करने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और छत्तीसगढ़ शासन भी लगातार प्रयासरत है। ऐसे लोगों के जीवन की मुश्किलें कम करने के उद्देश्य से बस्तर संभाग में दो चरणों में विशाल निःशुल्क दिव्यांग सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। पहला तीन दिवसीय शिविर 5, 6 और 7 अक्टूबर को बस्तर के जिला मुख्यालय जगदलपुर में आयोजित होगा। इसमें बस्तर, कांकेर, नारायणपुर और कोण्डागांव जिले के



तैयारियां बड़े स्तर पर की जा रही हैं। उपलब्ध विभागीय विवरण के अनुसार जगदलपुर में आयोजित होने वाले शिविर के लिए चार जिलों में कुल 2,953 दिव्यांगजन चिह्नकित किए गए हैं। इनमें बस्तर के 1,570, कोण्डागांव के 1,080, कांकेर के 236 और नारायणपुर के 67 दिव्यांगजन शामिल हैं। समाज कल्याण विभाग के सहयोग से दिव्यांगों की अन्य सहायक उपकरण जैसे श्रवण यंत्र, बैसाखी, स्मार्ट छड़ी, वॉकिंग स्टिक, छड़ी, व्हीलचेयर, ट्राइसाइकल, कैलिसर्प एवं दृष्टिधात

दिव्यांगजनों के लिए उपयोगी उपकरणों का भी वितरण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि आईईडी किसी को पहचानता नहीं था। उसकी चपेट में कभी जवान आए, कभी आम नागरिक और कभी पशु। जिन नागरिकों ने विस्फोटों में अपने पैर या हाथ गंवाए, उनका जीवन बच तो गया, लेकिन उन्हें वर्षों से कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। अब प्रयास है कि ऐसे प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी जरूरत के अनुरूप कृत्रिम अंग उपलब्ध कराया जाए। शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सलवाद की समाप्ति के बाद ना सिर्फ बस्तर को आईईडी के भय से मुक्त कराने बल्कि आईईडी से प्रभावितों के साथ भी खड़ी है। शिविर में आईईडी विस्फोट से दिव्यांग हुए नागरिकों को विशेष रूप से चिह्नकित कर उनकी आवश्यकता के अनुसार कृत्रिम पैर (जयपुर फुट), कृत्रिम हाथ तथा अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके साथ ही अन्य कारणों से दिव्यांग हुए लोग भी शिविर का लाभ ले सकेंगे। विशेषज्ञों द्वारा परीक्षण और नाप लेकर आवश्यकता के अनुसार कृत्रिम अंग तैयार करने तथा पुराने अथवा क्षतिग्रस्त कृत्रिम अंगों की

मरम्मत की व्यवस्था भी शिविर में रखे जाने की जानकारी सामने आई है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने बस्तर संभाग के दिव्यांगजनों और विशेष रूप से आईईडी विस्फोट पीड़ितों से शिविर में पहुंचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हितग्राही अपने जिले के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत के मुख् कार्यपालन अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। ग्राम सभाओं में भी ऐसे हितग्राहियों के नाम ग्राम पंचायत सचिव के माध्यम से पंजीयन कर जनपद और जिला पंचायत तक पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी कारणवश पूर्व पंजीयन नहीं हो पाया हो तो जरूरतमंद व्यक्ति सीधे शिविर में भी पहुंचें। शिविर में आने वाले हितग्राहियों के भोजन और ठहरने की व्यवस्था की जाएगी। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इन दोनों शिविरों के माध्यम से प्रयास है कि समूचे बस्तर में आईईडी विस्फोटों से दिव्यांग हुए लोगों तक सहायता पहुंचे और वर्षों से उनके जीवन से जुड़ी इस पीड़ा को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि बस्तर में आईईडी विस्फोट के इस दंश को समाप्त कर देना है।

## मुख्य परीक्षा 2025 की कॉपी अभ्यर्थियों को दे आयोग : सुशील शुक्ला

रायपुर। पीएससी की 2025 अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिये चयनित नहीं किया है। आयोग ने केवल 608 अभ्यर्थियों को ही इंटरव्यू के लिये योग्य माना है। साक्षात्कार 187 अभ्यर्थी कम पहुंचे हैं, जो 1:3 के नियम के अनुसार संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि अभ्यर्थियों का कहना है कि 187 अभ्यर्थी न्यूनतम 66 और 46 नंबर में गड़बड़ाई हुई हैं उन्हें न्यूनतम अंक अवश्य मिलता। इस वर्ष इंटरव्यू में भी पूरे अभ्यर्थी नहीं जा पा रहे हैं, ऐसे में इन छात्रों की मांग के अनुरूप पीएससी अपनी विश्वसनीयता बनाये रखने के लिए छात्रों को उत्तर पुस्तिका उपलब्ध करवा दे। ताकि अभ्यर्थियों का भरोसा भी बना रहे और आयोग की प्रतिष्ठा भी। प्रदेश काग्रेस



संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि 2024 की परीक्षा में अभ्यर्थियों की जो उत्तर पुस्तिका सामने आयी है, उसके अनुसार मूल्यांकन में बड़े पैमाने पर गड़बड़िया सामने आई थी। अभ्यर्थियों को नंबर मिलत दिये गये थे। इसलिये यदि आयोग का दावा है कि उसके मूल्यांकन में 187 अभ्यर्थी इंटरव्यू के लिये योग्य नहीं है तो उसे इसे प्रमाणित करने उत्तर पुस्तिकाये अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के पहले उपलब्ध करवाना चाहिये। प्रदेश काग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सीजीपीएससी स्पष्ट करे कि इंटरव्यू स्थगित करने की आवश्यकता क्यों पड़ी, मूल्यांकन और शॉर्टलिस्टिंग को लेकर उठे सवालों की स्थिति क्या है, नई तारीख कब घोषित होगी।

## संक्षिप्त समाचार

### धान के साथ मूंगफली की खेती से प्याजराम राठिया की आय में हुई वृद्धि

**कोरबा।** कोरबा विकासखंड की ग्राम पंचायत सिमकेदा के ग्राम हेंगुरडी निवासी किसान श्री प्याजराम राठिया, पिता श्री होवल सिंह राठिया, उम्र 62 वर्ष, को कृषि विभाग की एनएमईओ खाने योग्य तिलहनी फसलों को बढ़ावा देना योजना के तहत तिलहनी फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए सहायता मिली। योजना के माध्यम से उन्हें मूंगफली उत्पादन की वैज्ञानिक जानकारी, तकनीकी मार्गदर्शन और बीज उपलब्ध कराए गए। श्री राठिया पहले केवल धान की खेती करते थे। एक ही फसल पर निर्भर रहने के कारण उनकी आय सीमित थी। योजना से मिली जानकारी और सहयोग के बाद उन्होंने मूंगफली की खेती शुरू की। पहले ही वर्ष में मूंगफली उत्पादन उनके लिए लाभप्रद रहा और उन्हें लगभग 8 हजार रुपये की अतिरिक्त आय हुई। किसान के अनुसार, योजना से पहले उनकी अनुमानित वार्षिक आय करीब 42 हजार रुपये थी, जो अब बढ़कर लगभग 50 हजार रुपये हो गई है। तिलहनी फसल अपनाने से उनकी आय में वृद्धि हुई है और खेती के प्रति उनका भरोसा भी बढ़ा है। श्री राठिया ने इस सहयोग के लिए कृषि विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

### छूटे एवं नवपात्र युवा मतदाताओं के पंजीयन के लिए चलेगा विशेष अभियान

**कोरबा।** भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश तथा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ द्वारा 1 अक्टूबर 2026 को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों के अनुसार कोरबा जिले में मतदाता सूची में छूटे हुए पात्र नागरिकों और नए युवा मतदाताओं के पंजीयन के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य ऐसे पात्र नागरिकों और पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ना है, जिनका पंजीयन अब तक नहीं हो पाया है। इसके लिए बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाता सूची के निरंतर अद्यतनीकरण की प्रक्रिया के तहत पात्र नागरिकों से संपर्क करेंगे। समस्त पात्र नागरिकों से अपील किया गया है कि वे इस अभियान में सहयोग करें और मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराना सुनिश्चित करें, ताकि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए नागरिक म्बखम्बू मोबाइल ऐप अथवा निर्वाचन आयोग की वेबसाइट अवजमते.मवप.हवअ.पद के माध्यम से फॉर्म-6 भरकर ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते हैं।

### आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका भर्ती हेतु दावा-आपत्ति आमत्रित

**कोरबा।** एकीकृत बाल विकास परियोजना कोरबा (ग्रामीण) अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 02 एवं आंगनबाड़ी सहायिका के 07 रिक्त पदों हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये थे। जिसकी जांच एवं परीक्षण उपरांत अनन्तम मूल्यांकन पत्रक जारी किया गया है। मूल्यांकन पत्रक पर दावा आपत्तियां आमंत्रित की गई है। दावा आपत्तियां प्राप्त करने की तिथि 05.10.2026 से 14.10.2026 तक निर्धारित की गई है। इच्छुक आवेदिकाएं ऑनलाइन पोर्टल 'जिजवेरूध्' में-ईतिजप.पद के माध्यम से अपनी दावा आपत्तियां जमा कर सकते है। मूल्यांकन पत्रक परियोजना कार्यालय, जनपद कार्यालय तथा संबंधित ग्राम पंचायतों में प्रकाशित कर दिया गया है। निर्धारित तिथि उपरांत प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

### जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

**कोरबा।** सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को जिला स्तरीय भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में जिले के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया और विकसित भारत, राष्ट्रप्रेम, सेवा भावना, स्वच्छता तथा महिला सशक्तीकरण जैसे विषयों पर अपने विचार और रचनात्मकता प्रस्तुत की। ग्राम और स्कूल स्तर से विकासखंड स्तर तक हुई प्रतियोगिताओं में चयनित विद्यार्थियों ने जिला स्तर पर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उद्योग एवं वाणिज्य, श्रम, आबकारी तथा सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन और सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कोरबा जिले में प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस पर साढ़े पांच लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए गए। उन्होंने कहा कि भाषण और चित्रकला प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में 13 वर्ष और प्रधानमंत्री के रूप में 12 वर्ष तक जनसेवा की है। उनके नेतृत्व में गरीब कल्याण और देश के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

## शिक्षा मंत्री के निर्देश पर विद्यार्थियों को बड़ी राहत..... अब जरूरी दस्तावेजों के लिए नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर

### ■ लोक सेवा गारंटी के दायरे में आई माध्यमिक शिक्षा मंडल की महत्वपूर्ण सेवाएं, तय समय-सीमा में होंगे विद्यार्थियों के काम

**बिलासपुर।** विद्यार्थियों और अभिभावकों को शैक्षणिक दस्तावेजों से जुड़े कार्यों के लिए अनावश्यक परेशानी न हो और उन्हें अपने जरूरी दस्तावेज समय पर मिल सकें, इसे लेकर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने पहल की है। मंत्री के निर्देश के बाद छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण सेवाओं को लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समायोज्य किए जाने की व्यवस्था की गई है। इससे विद्यार्थियों को अपने जरूरी शैक्षणिक

दस्तावेज प्राप्त करने के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने की समस्या से राहत मिलेगी। नई व्यवस्था के तहत विद्यार्थियों को डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाण-पत्र, डुप्लीकेट अंकसूची, उत्तरपुस्तिका की पुनर्गणना एवं पुनर्मूल्यांकन तथा उत्तरपुस्तिका की फोटोकॉपी जैसी सेवाएं निर्धारित प्रक्रिया और समय-सीमा के भीतर उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। दस्तावेज के अनुसार इन सेवाओं के लिए निर्धारित समय-सीमा भी तय की गई है। डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाण-पत्र और डुप्लीकेट अंकसूची के लिए 60 दिवस की समय-सीमा निर्धारित है। वहीं उत्तरपुस्तिका की पुनर्गणना, पुनर्मूल्यांकन और फोटोकॉपी से संबंधित सेवाओं के लिए भी निर्धारित प्रक्रिया के बाद 60 दिवस की समय-सीमा रखी गई है। मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि विद्यार्थियों



को अपने ही दस्तावेजों के लिए परेशान होना पड़े, यह स्थिति स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि परीक्षा परिणाम के बाद विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक दिन महत्वपूर्ण होता है। उच्च शिक्षा में प्रवेश, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं और अन्य शैक्षणिक कार्यों के लिए समय पर दस्तावेज उपलब्ध होना जरूरी है। ऐसे में

### हरदी में शिविर आयोजित, मौके पर ही 44 आवेदनों का निराकरण

## सेवा सेतु शिविरों से जरूरतमंदों तक पहुंच रहा योजनाओं का लाभ

### ■ शासन की योजनाओं से आमजन के जीवन में आया बदलाव : क्रेडा अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सक्त्री

**बिलासपुर।** सेवा संकल्प अभियान के तहत जनपद पंचायत बिल्हा के ग्राम हरदी में आज सेवा सेतु शिविर का आयोजन बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक के मुख्य आतिथ्य में किया गया। शिविर में क्रेडा अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सक्त्री, जनपद पंचायत अध्यक्ष डॉ. रामकुमार कौशिक, उपाध्यक्ष श्री विक्रम सिंह ठाकुर, बिल्हा नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वंदना जेठ्ठे, जनपद सदस्य श्रीमती सरस्वती यादव, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल भी शामिल हुए। विभिन्न विभागों द्वारा ग्रामीणों को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और उनकी मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन लिए गए।

शिविर में प्राप्त कुल 87 आवेदनों में से 44 का निराकरण किया गया। शिविर में हितग्राहियों को विभिन्न योजना अंतर्गत लाभान्वित किया गया। विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने कहा कि सेवा सेतु शिविर का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आवास, रसोई गैस, पेयजल और बिजली जैसी सुविधाएं लोगों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। सेवा सेतु शिविरों के माध्यम से जरूरतमंदों को इन योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। श्री कौशिक ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनसेवा और जनभागीदारी से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 'आशीर्वाद का दीया', आंगनबाड़ी केंद्रों में कार्यक्रम तथा विद्यालयों में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं के माध्यम से लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। इसी



क्रम में सेवा सेतु शिविरों से नागरिकों को उनके नजदीक शासकीय सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। क्रेडा अध्यक्ष

श्री भूपेंद्र सक्त्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन के

जीवन में बदलाव आया है। प्रधानमंत्री आवास योजना से जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर मिला है। शौचालय निर्माण से स्वच्छता के साथ गरिमा और जनघन खातों से बैंकिंग सुविधाओं तक लोगों की पहुंच बढ़ी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में पात्र परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के कार्य को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने ग्रामीणों से शिविर का लाभ उठाकर अपनी मांगों और समस्याएं संबंधित विभागों के समक्ष रखने का आग्रह किया। शिविर में मांगों से संबंधित 85 और शिकायतों से संबंधित 2 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें मांगों से संबंधित 44 आवेदनों का निराकरण किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच श्री मनीराम मरावी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, बिल्हा एसडीएम श्री नंदकुमार चौबे, जनपद पंचायत सीईओ श्री कुमार लहरे, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

## बिलासपुर की कुमुदिनी पटेल को राष्ट्रीय वैद्य अनघा गोगटे युवा वैद्य पुरस्कार.....

### ■ आयुर्वेद चिकित्सा, अनुसंधान एवं जनसेवा में योगदान के लिए पुणे में मिला सम्मान



**बिलासपुर/शासकीय आयुर्वेद औषधालय सिंधरी (बिल्हा) में** पदस्थ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुमुदिनी पटेल को राष्ट्रीय 'वैद्य अनघा गोगटे युवा वैद्य पुरस्कार 2026' से सम्मानित किया गया है। वैद्य गोगटे मेमोरियल फंडेशन द्वारा 4 अक्टूबर को पुणे में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार 'मानस रोग 3.0' में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में डॉ. पटेल को स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र, 20 हजार रुपये की पुरस्कार राशि एवं पुष्पगुच्छ भेंट किया गया। डॉ. पटेल

का चयन आयुर्वेद चिकित्सा में निरंतर सेवा, विक्रमक एवं अग्निनकर के माध्यम से दर्द प्रबंधन, ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क चिकित्सा शिविरों के आयोजन तथा शोध एवं विद्यार्थियों के मार्गदर्शन में योगदान के आधार पर किया गया। इस राष्ट्रीय सम्मान के लिए वे देशभर से चयनित एकमात्र महिला आयुर्वेद चिकित्सक रहीं। डॉ. पटेल ने इस उपलब्धि को भगवान

धन्वंतरि एवं अपने गुरुजनों को समर्पित करते हुए कहा कि यह सम्मान समाज के अंतिम व्यक्ति तक आयुर्वेद चिकित्सा सेवा पहुंचाने के उनके संकल्प को नई ऊर्जा देगा। उनकी उपलब्धि पर जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर वाई एस ध्रुव सहित विभागीय अधिकारियों, साथी चिकित्सकों एवं क्षेत्रवासियों ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

## दूरस्थ गांव में रोशनी की नई व्यवस्था,बरपाली में रात का आवागमन हुआ सहज.....

**कोरबा।** गांव में शाम ढलते ही जब अंधेरा रास्तों को घेर लेता है, तब छोटी दूरी तय करना भी सावधानी का काम बन जाता है। कोरबा जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में रात के समय प्रकाश की इसी जरूरत को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) की राशि से सौर ऊर्जा आधारित प्रकाश व्यवस्था विकसित की जा रही है। कोरबा विकासखंड के दूरस्थ ग्राम बरपाली के चैक में क्रेडा विभाग द्वारा सोलर हाईमास्ट लाइट स्थापित की गई है। सोलर हाईमास्ट की सुविधा मिलने से पहले बरपाली चैक और आसपास का क्षेत्र शाम के बाद अंधेरे में डूब जाता था। जरूरी काम से निकलने वाले ग्रामीणों को रास्ता देखने में परेशानी होती थी। खेतों और घरों के आसपास जाने में सांप-बिच्छू तथा अन्य जीव-जंतुओं को लेकर भी सतर्क रहना पड़ता था। रात में आने-जाने का समय ग्रामीणों के लिए असुविधा वाला रहता था। अब सोलर हाईमास्ट से चैक और आसपास के रास्तों में पर्याप्त रोशनी रहती है। सड़क स्पष्ट दिखाई देने से ग्रामीणों के लिए रात में आवागमन सुविधाजनक हुआ है। सौर ऊर्जा से चलने वाली इस व्यवस्था के लिए नियमित बिजली आपूर्ति की जरूरत नहीं होती और बिजली बिल का खर्च भी नहीं आता। बैटरी बैकअप के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर भी प्रकाश उपलब्ध रहने में मदद मिलती है। ग्रामीणों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि, पहले शाम होते ही चैक पर अंधेरा छा जाता था।

## सेवा की कहानी सिंचाई का पानी बना किसानों का सहारा घोंघा और अरपा-भैंसाझार से खेती को मिला नई संबल...

### ■ घोंघा से 49 गांवों के खेतों तक पहुंच रहा पानी, अरपा-भैंसाझार से बढ़ रहा सिंचित क्षेत्र

**बिलासपुर, 5 अक्टूबर 2026/खेती के लिए समय पर पानी की उपलब्धता किसानों की बड़ी जरूरत है। जिले में घोंघा मध्यम जलाशय और अरपा-भैंसाझार बैराज परियोजनाएं इस जरूरत को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। नहरों के माध्यम से खेतों तक पहुंचता पानी किसानों की मेहनत को संबल दे रहा है। जल संसाधन विभाग द्वारा संचालित इन परियोजनाओं से क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। कोटा विकासखंड के ग्राम पटैता में निर्मित घोंघा मध्यम**



जलाशय परियोजना क्षेत्र के 49 गांवों के किसानों के लिए सिंचाई का प्रमुख आधार है। परियोजना से 8,343 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। लगभग 104.20 किलोमीटर लंबी मुख्य, शाखा एवं वितरक नहरों के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचाया जा रहा है। वर्ष 1979 में शुरू हुई इस परियोजना का निर्माण वर्ष 1981 में पूर्ण हुआ था। जलाशय की जलभराव क्षमता 3 करोड़ 7 लाख घन मीटर है।

यहां मत्स्य पालन से स्थानीय लोगों को आजीविका के अवसर भी मिल रहे हैं। अरपा-भैंसाझार बैराज परियोजना से भी किसानों को सिंचाई का लाभ मिल रहा है। वर्ष 2025-26 में परियोजना के माध्यम से 13,165 हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई की गई। वर्ष 2026-27 में 17,900 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का लक्ष्य रखा गया है। इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में 4,735 हेक्टेयर अधिक कृषि भूमि तक सिंचाई सुविधा

पहुंचाने का लक्ष्य है। परियोजना की कुल सिंचाई क्षमता 25 हजार हेक्टेयर है। कोटा विकासखंड में निर्मित अरपा-भैंसाझार परियोजना के सिंचाई संबंधी निर्माण कार्य वर्ष 2019 में पूर्ण हुए। परियोजना का जलग्रहण क्षेत्र लगभग 1,693.86 वर्ग किलोमीटर है। इसमें 56.640 किलोमीटर मुख्य नहर, 102.600 किलोमीटर वितरक नहर और 21.130 किलोमीटर शाखा नहर की व्यवस्था है। इन नहरों के माध्यम से कृषि भूमि तक पानी पहुंचाकर सिंचाई की जरूरत पूरी की जा रही है। घोंघा और अरपा-भैंसाझार परियोजनाएं खेतों की सिंचाई के साथ जल संसाधनों के बेहतर उपयोग का माध्यम बन रही हैं। इनसे किसानों को खेती के लिए पानी उपलब्ध हो रहा है और क्षेत्र में कृषि गतिविधियों को बल मिल रहा है।

## 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 7 से....

### ■ उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव करेंगे प्रतियोगिता का शुभारंभ

**बिलासपुर, 5 अक्टूबर 2026/उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव 7 अक्टूबर को 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगे। उद्घाटन समारोह सुबह 10.30 बजे स्व. बी.आर. यादव राज्य प्रशिक्षण केंद्र, बहतलाई में आयोजित होगा। जिले में 7 से 10 अक्टूबर तक आयोजित प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों के स्कूली खिलाड़ी तीरंदाजी, हॉकी और कबड्डी में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल, बिल्हा विधायक श्री**

धरमलाल कौशिक, तखतपुर विधायक श्री धर्मजीत सिंह, बेलतरा विधायक श्री सुरांत शुक्ला, मस्तूरी विधायक श्री दिलीप लहरिया, कोटा विधायक श्री अटल श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री राजा पाण्डेय, क्रेडा के अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सक्त्री, बिलासपुर महापौर श्रीमती पूजा विधानी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। श्री दीपक सिंह ठाकुर एवं श्री मोहित जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। प्रतियोगिता के अंतर्गत तीरंदाजी में 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिका, हॉकी में 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिका तथा कबड्डी में 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक हिस्सा लेंगे।

# सनातन धर्म में एकादशी श्राद्ध का विशेष महत्व

सनातन धर्म में पितृ पक्ष पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का सबसे पावन पर्व है। इस दौरान पड़ने वाली 11वीं तिथि का विशेष महत्व होता है। एकादशी श्राद्ध 2026 में 6 अक्टूबर (मंगलवार) को मनाया जाएगा। ज्योतिष और धर्मशास्त्रों में एकादशी की तिथि भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय मानी जाती है, जो मोक्ष और मुक्ति के देवता हैं। इसलिए, एकादशी के दिन किया गया श्राद्ध पितरों को जलन-मरण के वक्र से मुक्त कर उन्हें सीधे वैकुंठ या उच्च लोकों की ओर ले जाता है। श्राद्ध कर्म कभी भी सुबह जल्दी या शाम के समय नहीं किया जाता है, इसके लिए दोपहर का एक विशिष्ट समय निर्धारित है, जिसे 'कुतप काल' कहा जाता है।



**एकादशी श्राद्ध 2026 के महत्वपूर्ण मुहूर्त (6 अक्टूबर):**

कुतप काल: एकादशी के दिन तर्पण और ब्राह्मण भोज के लिए सबसे शुभ समय पूर्वाह्न 11 :45 से दोपहर 12:31 तक रहेगा। कुतप काल में सूर्य का ताप अपने चरम पर होता है, जिसे शास्त्रों में पितरों के लिए अन्न-जल ग्रहण करने का सबसे उपयुक्त समय माना गया है।

**रोहिण मुहूर्त:** यदि किसी कारणवश आप कुतप काल में तर्पण शुरू नहीं कर पाते हैं, तो कुतप काल के ठीक बाद दोपहर 12-31 से 01:17 तक रोहिण मुहूर्त होता है। आप इस अवधि में भी अपना एकादशी श्राद्ध अनुष्ठान संपन्न कर सकते हैं।

**अपरराह्न काल:** अंतिम विकल्प के रूप में आप दोपहर 01:17 से 03:37 के बीच तर्पण कर सकते हैं, लेकिन शाम ढलने से पहले (सूर्यास्त से पूर्व) श्राद्ध कर्म का पूर्ण होना अनिवार्य है। एकादशी श्राद्ध का शास्त्रोक्त महत्व इस बात में निहित है कि यह तिथि न केवल पितरों को तृप्त करती है,

बल्कि श्राद्ध करने वाले व्यक्ति के जीवन से दरिद्रता और दुर्भाग्य को भी हमेशा के लिए समाप्त कर देती है। 6 अक्टूबर को सही मुहूर्त में किया गया यह अनुष्ठान आपके और आपके पूर्वजों के बीच एक सकारात्मक और मंगलकारी ऊर्जा का संचार करेगा। पितृ पक्ष में प्रत्येक दिन (तिथि) का अपना एक विशिष्ट नियम होता है, जिसके अनुसार यह तय किया जाता है कि किस दिन किस पूर्वज का श्राद्ध किया जाएगा। एकादशी श्राद्ध 2026 का दिन केवल एक सामान्य तिथि नहीं है; यह उन विशेष आत्माओं के लिए निर्धारित है जिन्होंने अपने जीवन के अंतिम क्षण इसी तिथि पर व्यतीत किए हैं। यह

तिथि मोक्ष से जुड़ी होने के कारण अत्यंत संवेदनशील और पवित्र मानी जाती है। शास्त्रों के अनुसार, 6 अक्टूबर 2026 को एकादशी के दिन निर्मालिखित पितरों का श्राद्ध और तर्पण करना सबसे उपयुक्त और फलदायी होता है:

**एकादशी के दिन देह त्यागने वाले:** परिवार के वे सभी सदस्य (माता, पिता, दादा, दादी या अन्य सगे-संबंधी) जिनका स्वर्गवास किसी भी महीने के कृष्ण पक्ष या शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को हुआ हो, उनका श्राद्ध इसी दिन किया जाना अनिवार्य है।



**गेष राशि** - गेष राशि वालों को उच्च स्तर के लोगों से संपर्क बनाने की आपकी कोशिश सफल होगी। रुकें हुए कामों को पूरा करने के लिए समय अनुकूल रहेगा और आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे। दैनिक जीवन में भी खुशियां बनी रहेंगी। आप एक-दूसरे को बेहतर फील करने की कोशिश करेंगे। प्रेम जीवन में कुछ कठिनाइयां आएंगी, जिनको मिल बैठकर दूर करने की आवश्यकता है। घन को लेकर इस महीने आप परेशान रहेंगे। खर्चों पर लगाम लगाएं।

**वृषभ राशि** - खेच-चमझकर लिए गए फैसलों से सफलता और लाभ मिलेगा। जरूरी कामों में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे और आपकी मेहनत का अच्छा परिणाम देखने को मिल सकता है।समय का सदुपयोग करें। इस हफ्ते अचानक से काम आएंगे। मेहनत से पीछे ना हटें। बिजनेस में भी अच्छी सफलता मिलती दिख रही है। आपकी जीवनसाथी यदि नाराज है तो उन्हें मनाने की कोशिश करें और रिश्तों को बेहतर बनाएं।

**मिथुन राशि** - कामकाज में संतोषजनक प्रगति होगी और घन लाभ के योग बनेंगे। समय पर सभी महत्वपूर्ण काम पूरे होते नजर आएंगे। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा।छापकी सेहत भी पहले से बेहतर रहेगी। आप अपने आय को काफी फनर्जेंटिक फील करेंगे और यदि कोई समस्या हो, तो डॉक्टर से सलाह लें।आपके कुछ नए मित्र भी बनेंगे। राजनीति में आप थोड़ा सौच-समझकर कदम बढ़ाएं। किसी काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकता है।

**कर्क राशि** - राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेगा। घर और बाहर काम-सम्मान बढ़ेगा। आपकी घन की कोई समस्या नहीं आएगी। सहयोगी आपके काम को लेकर यदि कोई सलाह दें, तो उस पर अमल अवश्य करें। नौकरी में बदलाव के लिए भी यह समय काफी बेहतर है। इस सलाह अवश्य लें। संग-धन जमेगी।

**सिंह राशि** - सिंह राशि वालों की आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। जरूरी कामों में जल्दबाजी से बचे और परिस्थितियों को समझकर आगे बढ़ना आपके लिए बेहतर रहेगा। अपनी व्यावहारिक कुशलता और बुद्धिमानि से समस्याओं का समाधान निकालेंगे।आपको छोटी-मोटी समस्याएं परेशान करेंगी। प्रेम जीवन में डर सलाह आप थोड़ा तालमेल बनाकर चले। काम के साथ-साथ आराम के लिए भी समय निकालें।

**कन्या राशि** - जीवनसाथी की सलाह आपके लिए लाभदायक साबित होगी। कार्यक्षेत्र में धैर्य बनाए रखें और किसी भी बात को लेकर जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने से बचे। अपनी सुझसुझ से काम पूरे करेंगे थोड़ा समझदारी दिखाएं और कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें। आपकी कोई पुरानी सामने आ सकती है। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। कुछ पारिवारिक समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं। किसी से घन उधार लेने से बचे।

**तुला राशि**-कामकाज की स्थिति बेहतर होगी, हालांकि कार्यों की अधिकता के कारण व्यस्तता बनी रहेगी। नियमित आमदनी के नए स्रोत भी मिलने की संभावना है। संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा। अपने खर्चों पर ध्यान दें। आप अपने विरोधी की बातों में न आएं। किसी नए काम में बिना सोचे समझे धाव बढ़ाने से बचना होगा। आर्थिक स्थिति को संतुलित रखने में सफल रहेंगे,

**वृश्चिक राशि** - कल-जिन कामों को पूरा करने का संकल्प लिया है, वे पूरे होंगे। लंबे समय से रुकी रकम मिलने की संभावना है। स्वजन और मित्रों का सहयोग मिलेगा, जिससे कई काम आसानी से पूरे होंगे।प्रान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किसी धार्मिक समारोह या मंगलिक आयोजन में व्यस्त रह सकते हैं।आपके शत्रु आपकी इमेज खराब करने की कोशिश करेंगे। काम के सिलसिले में काफी मीटिंग रहेगी। परिवार के लिए समय निकलें।

**धनु राशि** - परीक्षा और प्रतियोगिता में सफलता मिलने के योग है। जमीन-जायदाद से जुड़े कामों में आ रही रुकावट दूर होगी। मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो कई महत्वपूर्ण काम पूरे हो सकते हैं।बेरोजगारों को रोजगार मिलने की संभावना है। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने रिश्ते को बेहतर बनाएंगे। किसी वाद-विवाद में ना पड़े। आपकी सेहत थोड़ा परेशान करेगी।

**मकर राशि** - छात्रों के लिए समय ठीक रहेगा, इसलिए पढ़ाई पर ध्यान दें। आर्थिक स्थिति सज्जुत होगी और एक से अधिक स्रोतों से आमदनी होने की संभावना है। मेहनत का लाभ मिलेगा। नए काम की योजना सफल होने के योग है। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेंगी। बड़ा निवेश करने से बचे। इस सलाह आपके भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। काम को लेकर आप व्यस्त रहेंगे। आपको उनके लिए थोड़ा पहिचान बरतने की आवश्यकता है।

**कुंभ राशि** - धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। लंबे समय से अटक कई महत्वपूर्ण काम पूरे होने की संभावना है। परिवार में खुशी और शांति का माहौल बना रहेगा। संतान को पढ़ाई-लिखाई के लिए बाहर भेज सकते हैं। खचों को लेकर ज्यादा टेंशन नहीं लेंगे। नए घर की खरीदारी कर सकते हैं। अपनी सेहत को लेकर सावधान रहने की आवश्यकता है। दूसरों के मामले में बेवजह न बोलें। नौकरी में बदलाव के लिए तैयार रहें।

**मीन राशि** - मेहनत के बाद समस्याओं का समाधान होगा। नौकरी में भी कुछ उन्नति होने की संभावना है। परिस्थितियां धीरे-धीरे आपके पक्ष में आएंगी और कामकाज में सुधार देखने को मिल सकता है।प्रार्थनों को लेकर डिसीजन अपने दम पर न लें। इस सलाह खर्च अधिक रहने से टेंशन रहेगी। विद्यार्थी भी पढ़ाई-लिखाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। करियर में सफलता मिलती दिख रही है।



**सबसे पहले अलमारी पूरी तरह खाली करें**  
डीप क्लीनिंग शुरू करने से पहले अलमारी में रखा पूरा सामान बाहर निकाल लें। डिब्बे, मसाले, प्लेट और दूसरे बर्तन अलग जगह रख दें।

सामान निकालते समय एक्सपायर्ड पैकेट, खुले हुए मसाले या खराब हो चुकी चीजों को भी अलग कर लें। इससे दोबारा सामान जगहें समय अनावश्यक चीजें अलमारी में नही जाएंगी।

## आंवला प्राकृतिक सौंदर्य और सेहत का खजाना

आंवला एक प्राकृतिक सौंदर्य और सेहत का खजाना है, इस तरह आप इसे अपनी डाइट में शामिल करके आय कई स्वास्थ्य लाभ उठा सकते हैं। आंवला, जिसे Indian Gooseberry भी कहा जाता है, स्वास्थ्य के लिए एक अद्भुत फल है। आयुर्वेद में इसे 'सर्वांगण औषधि' माना जाता है, क्योंकि इसके पोषक तत्व न केवल शरीर को अंदर से स्वास्थ्य रखते हैं, बल्कि यह हजारी त्वचा, बालों, और आंखों के लिए भी फायदेमंद है। अगर आप रोज एक आंवला खाते हैं, तो इसके अद्भुत फायदे आपको सिर्फ 15-20 दिनों में दिखने लगेंगे। इसके सेवन से आपकी दृष्टि, बालों और त्वचा में भी सकारात्मक बदलाव आएगा।

### 1. बालों की सेहत में सुधार

आंवला में भरपूर विटामिन C होता है, जो बालों को मजबूत और स्वस्थ बनाने के लिए जरूरी है। यह बालों की जड़ों को पोषण देता है, जिससे बाल झड़ना कम होते हैं और नए बालों का विकास होता है। रोज आंवला खाने से बालों की चमक भी बढ़ती है, और बाल मुलायम और घने दिखने लगते हैं।

### 2. बालों का सफेद होना रोके

आंवला में एंटीऑक्सिडेंट्स और विटामिन C की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो बालों को सफेद होने से रोकते हैं। यह मेलानिन के उत्पादन को बढ़ाता है, जो बालों को काले और स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। अगर आप आंवला को नियमित रूप से खाते हैं, तो यह बालों के सफेद होने की प्रक्रिया को धीमा कर सकता है।

### 3. आंखों की रोशनी में सुधार

आंवला में विटामिन C और एंटीऑक्सिडेंट्स के साथ-साथ विटामिन A भी होता है, जो आंखों की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। यह आंखों के लिए एक प्राकृतिक टॉनिक के रूप में काम करता है और दृष्टि को तेज करने में मदद करता है। नियमित रूप से आंवला खाने से आप आंखों में चरमा कम होने या दृष्टि सबंधी अन्य समस्याओं से राहत पा सकते हैं।

### 4. आंखों की थकान और जलन को कम करता है

आंखकल की डिजिटल लाइफ में आंखों की थकान और जलन एक सामान्य समस्या बन गई है। आंवला में मौजूद विटामिन C और एंटीऑक्सिडेंट्स आंखों को पोषण देते हैं और आंखों की थकान को कम करते हैं। यह आंखों में जलन,

## दही सेहत के साथ-साथ बालों के लिए भी काफी फायदेमंद

दही सेहत के साथ-साथ बालों के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है। पुराने समय से ही लोग बालों को मुलायम और चमकदार बनाने के लिए दही का इस्तेमाल करते आए हैं। दही में प्रोटीन, विटामिन B और D, लैक्टिक एसिड और हेल्दी फैट्स जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो बालों और त्वचा को पोषण देने में मदद करते हैं। दही बालों के लिए नेचुरल कंडीशनर की तरह भी काम करता है। इसे रेगुलर लगाने से बाल साँप और स्काउ नज़र आते हैं। आज हम आपको बालों पर दही लगाने की सही तरीका बताएंगे जो हेल्दी बाल पाने में आपकी मदद करेगा।



अगर आपके बाल रूखे और बेजान हैं तो दही में नारियल तेल मिलाकर लगा सकते हैं। इसके लिए 3 चम्मच दही में 2 चम्मच हल्का गर्म नारियल तेल मिलाएं। इसे बालों पर लगाकर करीब 30-60 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर शैंपू से बाल धो लें। इससे बालों में सॉफ्टनेस और नमी बनाए

## विविध

# पितृपक्ष में महिलाएं ध्यान रखें ये बातें

इस साल पितृपक्ष 26 सितंबर से लेकर 10 अक्टूबर तक रहने वाले हैं। पितृपक्ष के दौरान पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध और तर्पण करने की परंपरा है। ज्योतिषाचार्य के अनुसार, इस अवधि में घर की महिलाओं को कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है और परिवार के सदस्यों पर पितरों की कृपा बनी रहती है।

### 1. दक्षिण दिशा में जलाएं दीपक

पितृपक्ष में महिलाओं को हर शाम घर के बाहर दक्षिण दिशा की ओर एक दीपक जलाने की सलाह दी गई है। मान्यता के अनुसार, पहले से रहने वाले लोग घर की बालकनी में दक्षिण दिशा की ओर दीपक रख सकते हैं।

### 2.मासिक धर्म के दौरान न बनाएं श्राद्ध का भोजन

मान्यता के अनुसार, मासिक धर्म के दौरान महिलाओं को श्राद्ध और तर्पण का भोजन नहीं बनाना चाहिए। ऐसी स्थिति में घर की किसी दूसरी महिला से भोजन बनवाया जा सकता है। परिवार का पुरुष सदस्य भी भोजन तैयार कर सकता है।

### 3. शाम के वक़्त न करें सफाई

आप सिर्फ 3 प्राकृतिक चीजों की मदद से घर पर ही नेचुरल शिया बटर क्रीम तैयार कर सकते हैं. यह होममेड क्रीम त्वचा की परतों में गहराई तक जाकर नॉइश्चर को लॉक करती है और स्किन को इतना सॉफ्ट व चमकदार बना देती है कि आका दिल बार-बार उसे घुमें को करेगा. आइए जानते हैं इसे बनाने की आसान विधि।



पितृपक्ष के दौरान शाम के समय घर में झाड़ू लगाने या अन्य साफ-सफाई का काम करने से बचने की बात कही गई है। श्राद्ध से जुड़े कर्मों में शुद्धता और पवित्रता का विशेष ध्यान रखने की मान्यता है।

### 4. भोजन का एक हिस्सा गाय को खिलाएं

पितृपक्ष में हर दिन भोजन बनाते समय उसका एक हिस्सा पहले ही अलग निकालने की बात कही गई है।

इसे धीमी आंच पर 2-3 मिनट में हल्का-सा पिघला लें।  
**टंडा करें:** जब बटर पूरी तरह पिघल जाए, तो इसे गैस से उतार लें और कटोरी को 15-20 मिनट के लिए

## स्किन पर लगाएं नेचुरल क्रीम



बटर और नारियल/बादाम का तेल निकालें। डबल बॉयलर विधि (गर्म पानी के पतिले के ऊपर कटोरी रखकर) से

फ्रीजर में रख दें ताकि यह आधा जम जाए।

**एलोवेरा जेल मिलाएं:** अब फ्रीजर से कटोरी निकालें। इसमें 1 छोटा चम्मच एलोवेरा जेल (और एसेंशियल ऑयल) मिलाएं।  
**फ्रेंट करें:** एक हैंड वीटर या इलेक्ट्रिक हिस्कर (या कांटे वाले चम्मच) की मदद से इस मिश्रण को 4-5 मिनट तक लगातार फेंटें। धीरे-धीरे इसका रंग बिल्कुल सफेद और टेक्सचर एकदम वीडू आइसक्रीम या बाजार की महंगी क्रीम जैसा पलफ़ी हो जाएगा। तैयार है आपकी 100% शुद्ध, क्रीमी और खुशबूदार शिया बटर क्रीम! इसे किसी साफ और सूखे कांच के जार में भर कर रख लें।  
**इस्तेमाल का तरीका:** नहाने के तुरंत बाद या रात को सोने से पहले इसे अपने चेहरे, हाथों, कोहनी और पैरों पर लगाएं। यह रूखेपन को खत्म कर त्वचा को पूरे दिन मखन जैसा मुलायम बनाए रखेगी।

# किचन अलमारी की गहराई से कैसे करें सफाई

किचन की सफाई करते समय हममें से ज्यादातर लोग सबसे पहले गैस स्टोव, सिंक और काउंटर साफ करते हैं। अलमारी का गंढर आते ही बस बाहर से कपड़ा फेरकर या सामान थोड़ा व्यवस्थित करके आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि जिस अलमारी को हम रोज खोलते हैं, उसके कोनों और शेल्फ के पीछे कितनी गंदगी जमा हो चुकी है। मसालों के छोटे-छोटे कण, तेल की चिकनाहट और धूल धीरे-धीरे यहां परत बनाती रहती है और हमें इसका पता भी नहीं चलता। अगर आपके किचन की अलमारी भी कुछ ऐसी ही दिखने लगी है, तो अब सिर्फ सामान जमाने की नहीं, बल्कि उसकी डीप क्लीनिंग की जरूरत है।

**कोनों और किनारों पर खास ध्यान दें**  
अलमारी की सबसे ज्यादा गंदगी अवसर कोनों, शेल्फ के किनारों और पीछे की तरफ जमा होती है। पहले सूखे कपड़े या मुलायम ब्रश से धूल और खाने के टुकड़े साफ करें।

इसके बाद हल्के साबुन वाले पानी में कपड़ा भिगोकर अच्छी तरह निचोड़े और सतह को पीछें। बहुत ज्यादा पानी का इस्तेमाल न करें, खासकर अगर केबिनेट लकड़ी या MDF से बना है।

**मसालों वाली जगह को जरूर साफ करें**  
मसालों के डिब्बों के आसपास पाउडर और तेल की हल्की परत जल्दी जम जाती है। डिब्बों को बाहर निकालकर उनके नीचे और आसपास की जगह

को अच्छी तरह पीछें। अगर किसी डिब्बे के बाहर मसाला या तेल लगा है, तो उसे भी साफ करके ही वापस रखें। इससे अलमारी में चिपचिपाहट और गंदगी दोबारा जल्दी जमा नहीं होगी।

## बाई करवट सोने के फायदे

### बाई करवट सोने से एसिड रिपलक्स कम

एसिड रिपलक्स तब होता है जब पेट का एसिड वापस खाने की नली और गले में आ जाता है, अक्सर ऐसा खाना नली के निचले हिस्से में मौजूद वाल्व के लूज होने या कमजोर होने के कारण होता है। हालांकि डाइट और जीवनशैली को आमतौर पर रिपलक्स से जोड़कर देखा जाता है,



लेकिन सोने की पॉजिशन आपके शरीर में एसिड रिपलक्स को कम करने में मदद कर सकती है। डॉक्टर सुद के मुताबिक बाई और करवट लेकर सोने से पेट और अन्नप्रणाली के बीच के जोड़, जिसे लोअर

ओसोफेजियल स्फिक्टर (एलईएस) के नाम से जाना जाता है, उसे पेट के एसिड के लेवल से ऊपर रखने में मदद मिल सकती है। इससे एसिड को वापस फूड पाइप में जाने से रोकने में मदद मिल सकती है।

### सोने से पहले खाना खाने से नींद में खलल

अगर आप सोने से ठीक पहले बहुत अधिक खाना खाते हैं तो इससे नींद की क्वालिटी पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि पाचन क्रिया शरीर को उस समय सक्रिय रखती है जब उसे आराम करने के लिए शांत होना चाहिए, जिससे सोना या रात भर सोए रहना मुश्किल हो जाता है। डॉक्टर ने जोर देकर कहा कि सोने से दो घंटे पहले भारी भोजन करने से नींद में खलल पड़ सकता है। सोने के ठीक पहले खाने से प्रैलिन और इंसुलिन जैसे हार्मोन उत्तेजित होते हैं, जो मेलैटोनिन नींद का हार्मोन को बढ़ाने में मुश्किल पैदा करते हैं। इससे आपकी रोज की लय बिगड़ सकती है।

# कांग्रेस नेता राजीव गुप्ता के जन्मदिन पर उमड़ा जनसैलाब

पूर्व कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने कार्यकर्ताओं का बढ़ाया उत्साह

धमधा। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रभारी महामंत्री एवं पूर्व नगर पंचायत धमधा अध्यक्ष राजीव गुप्ता के जन्मदिन के अवसर पर धमधा में कार्यकर्ताओं और समर्थकों का भारी जनसैलाब उमड़ा। जन्मदिन समारोह में पूर्व कृषि मंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रविंद्र चौबे विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने राजीव गुप्ता को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। इस दौरान पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे ने राजीव गुप्ता की राजनीतिक एवं सामाजिक सक्रियता, कांग्रेस संगठन के प्रति उनकी जिम्मेदारियों के निर्वहन और क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। सैकड़ों कार्यकर्ताओं और समर्थकों की मौजूदगी में राजीव गुप्ता ने केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। शिवकुमार वर्मा ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं- ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धमधा के अध्यक्ष शिवकुमार वर्मा ने राजीव गुप्ता को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजीव गुप्ता लंबे समय से संगठन और क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। उनके जन्मदिन के अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि लोगों का उनसे निरंतर जुड़ाव है।



इस अवसर पर राजीव गुप्ता ने कहा कि जन-जन के नेता, विकास पुरुष आदरणीय रविंद्र चौबे जी का मेरे जन्मदिन पर आगमन मेरे लिए सबसे बड़ा सौभाग्य है। वहीं सैकड़ों कार्यकर्ताओं और आमजन का जो प्यार और आशीर्वाद मुझे मिला है, वह मेरे लिए जीवन की बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि रविंद्र चौबे ने अपने कार्यकाल में पूरे क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी और साजा

विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि रविंद्र चौबे जी जैसे देवतुल्य नेता ने क्षेत्र में विकास की गंगा बहाई है। आने वाले वर्षों तक साजा विधानसभा में उनके द्वारा किए गए विकास कार्यों की मिसाल बनी रहेगी। समारोह के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने रविंद्र चौबे और राजीव गुप्ता का अभिनंदन किया। राजीव गुप्ता ने सभी कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका छेह और विश्वास उन्हें लगातार जनसेवा एवं संगठन के लिए काम करने की प्रेरणा देता रहेगा। इस मौके पर प्रमुख रूप से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवकुमार वर्मा, दानेश्वर साहू, शमशेर कुरैशी, निर्मल जैन, मधुसूदन राणा, अरुण साहू, जालम पटेल, राज पटेल, संतलाल बंजारे, हिममत द्विवेदी, ज्वाला साहू, अजय पाल, राजेश मानिकपुरी, बंटी वैष्णव, जीवन निर्मलकर, जितेंद्र वर्मा, परमेश्वर यादव, देवेंद्र चंदेल, यशोदेव दिव्हीवार, योगेश साहू, रेवा बंजारे, लुमेश्वर पटेल, रामकुमार पटेल, रोमन पटेल, टीकाराम उमरे, श्रवण साहू, आकाश द्विवेदी, विजय दीमर, सुरेश द्विवेदी, सुमन्त ताम्रकार, विनोद पटेल, त्रिलोकी

पटेल, रामचन्द्र जंघेल, पप्पू सोनवाने, मुकेश वर्मा, निखी राजपूत, बबू वैष्णव, अनिल साहू, ललित सोनकर, रजत नायक, केवी वर्मा, कन्हैया साहू, चन्द्रशेखर वर्मा, रज्जू द्विवेदी, दुखित पटेल, किशोर धार्मिक, कलीम कुरैशी, आनंद द्विवेदी, दुखवा मरार, दिलीप जंघेल, रामजी पटेल, हीरा साहू, सतकुमार निषाद, प्रकाश कश्यप, जगन्नाथ वर्मा, मिथलेश साहू, विकेश यदु, पुकेश्वर हरमुख, रवि हरमुख, हलधर यादव, सबीर कोसरे दशरथ साहू, संतोष यादव, हेमंत बजारे, तुलाराम रत्नाकर, रमेश्वर साहू, भाबु साहू, संतानु साहू, गंगाधर निषाद, रामकुमार पटेल, रामजी पटेल, लकुर साहू, गंगू वर्मा, हेमंत बजारे, अनिल साहू, नकुल पटेल, कुबेर मानिकपुरी, बन्धु निर्मलकर, देवनाथ सोनकर, महेंद्र यादव, दीनू पटेल, बंटी राजपूत, मनोज यादव, ओम ताम्रकार, राधे साहू, उमेशचंद्र यादव, विक्रंत लकुर, अमन लोधी, नारायण वर्मा, केश वैष्णव, नरोत्तम वर्मा, अरुण साहू, गिरिवर पटेल, तुलसी पटेल, भुनेश्वर नेताम, बुधराम साहू, हेमलाल साहू, टिकेश यदु, चेतन कश्यप, कमलेश बंजारे, संदीप गुप्ता सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## भिलाई-चरोदा निगम के सोमनी वार्ड में लगेगा सेवा संकल्प अभियान का शिविर

भिलाई-3। छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग से प्राप्त निर्देश तथा जिला प्रशासन दुर्ग से प्राप्त मार्गदर्शन के अनुसरण में नगर पालिक निगम भिलाई 03 चरोदा प्रशासन द्वारा निरंतर सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें विभिन्न आयोजन जैसे स्वच्छता कार्य, सफाई करने के सर्वांगिक एवं सामाजिक प्रयास सहभागिता शामिल है, साथ विकसित भारत 2047 के संकल्प के तहत शासन की समस्त कल्याणकारी एवं जनहितकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना प्रमुख उद्देश्य है। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सेवा सेतु शिविर 06 अक्टूबर 2026 को वार्ड नं. 38 सोमनी के सामुदायिक भवन में आयोजित किया जायेगा। जिसमें



वार्ड के 31 से 40 तक के समस्त नागरिकों से उनके मांग और शिकायत संबंधी आवेदन स्वीकार किये जायेंगे। उक्त शिविर में निगम स्तर के सभी विभागीय कर्मचारी अपने काउंटर पर उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्या संबंधी आवेदनों का निराकरण करेंगे। भिलाई 3 चरोदा निगम प्रशासन की ओर से सभी

## जर्जर दुकानों की मरम्मत को लेकर अधिकारियों के साथ जल्द होगी बैठक : महापौर

इंदिरा मार्केट के जर्जर मूत्रालय की शीघ्र मरम्मत के निर्देश, पसरा दुकानदारों को सड़क सीमा के भीतर दुकान लगाने की समझाइश

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार ने इंदिरा मार्केट क्षेत्र का निरीक्षण कर बाजार की व्यवस्थाओं एवं व्यापारियों की समस्याओं का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ निगम आयुक्त लीना कोसम, सभापति श्याम शर्मा, एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, नीलेश अग्रवाल एवं रंजिता पाटिल, भवन अधिकारी प्रकाश थवानी तथा स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता सहित निगम के अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान महापौर अलका बाघमार ने इंदिरा मार्केट फूल बाजार क्षेत्र के आसपास के व्यापारियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। महापौर अलका बाघमार द्वारा इंदिरा मार्केट के जर्जर दुकानों के समस्याओं के समाधान हेतु अधिकारियों के साथ बुधवार को



अपने कक्ष पर बैठक आयोजित कर मरम्मत कार्यों को लेकर कार्यों योजना बनाया जाएगा। महापौर ने कहा कि बैठक में अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक समाधान निकालने की दिशा में कार्य किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान सभापति श्याम शर्मा ने

इंदिरा मार्केट फूल बाजार के समीप स्थित जर्जर मूत्रालय की ओर महापौर एवं अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया। महापौर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को बाजार क्षेत्र के मूत्रालय की आवश्यक मरम्मत का

कार्य जल्द से जल्द कराने के निर्देश दिए, ताकि बाजार में आने वाले नागरिकों एवं व्यापारियों को बेहतर सुविधा मिल सके। महापौर ने निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे स्थित दुकान लगाने वाले दुकानदारों से भी चर्चा की। उन्होंने दुकानदारों

को सड़क सीमा के भीतर ही दुकान लगाने की समझाइश देते हुए कहा कि बाजार में आने-जाने वाले नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को भी बाजार क्षेत्र में आवागमन सुचारु बनाए रखने तथा व्यवस्था पर नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए। महापौर ने इंदिरा मार्केट के दुकानदारों को कहा कि अपना सामान दुकान के बाहर अधिक न निकले, नही तो कार्रवाई की जाएगी। महापौर ने कहा कि शहर के प्रमुख बाजारों में नागरिकों और व्यापारियों दोनों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जाएगा। समस्याओं का स्थल निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों के माध्यम से समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

## झीट में बढ़ती नशाखोरी और अवैध शराब बिक्री पर ग्रामीणों ने जताई चिंता, कार्रवाई की मांग



अमलेश्वर। अमलेश्वर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम झीट में बढ़ती नशाखोरी एवं अवैध शराब बिक्री को लेकर ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों ने चिंता जताई है। इस संबंध में ग्रामीणों ने अमलेश्वर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर गांव में अवैध रूप से शराब बिक्री करने वालों तथा चौक-चौराहों पर शराब का सेवन करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में अवैध शराब बिक्री एवं सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन की गतिविधियों से नशाखोरी को बढ़ावा मिल रहा है,

जिससे गांव का सामाजिक वातावरण प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मामले में गंभीरता से कार्रवाई करते हुए अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लगाने की मांग की है। इस दौरान ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों की ओर से सरपंच रूपेंद्र राजू साहू, ग्राम प्रमुख अलख राम सिन्हा, केशव सिन्हा, रोशन रजक, पीला लाल साहू, राजेश्वर सिन्हा, भोज राम सिन्हा, हेमंत अग्रवाल, नोहर दास सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

## किसानों की जमीन हड़पने का सपा विधायक पर लगा आरोप, जान से मारने की मिली धमकी

गाजीपुर। समाजवादी पार्टी के विधायक व पूर्व मंत्री स्व. कैलाश मंत्री के पुत्र विरेन्द्र यादव पर दर्जनों किसानों की भूमि हड़प कर विद्यालय बनाने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कार्यवाही के लिए जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंप कर जांच कराने की मांग की। किसान दुर्गेश यादव, सुरेश यादव, मरकब्बज, रमेश जैसे दर्जनों किसानों की जमीन हड़प कर डिग्री कालेज, बीएड कालेज, इण्टर कालेज, माण्टेसरी स्कूल का संचालन करने का आरोप लगाया है। अपने जमीन की जांच कर किसानों को जमीन वापस करायें जाने की मांग को लेकर सामूहिक शिकायती पत्र दिया। ग्रामसभा सकरा हुसेनपुर के किसान सुरेश, चासव नट सहित कुल 13 परिवार के किसानों की कृषि भूमि आराजी नम्बर 1602, 1603 का मूल चक्र विरेन्द्र विधायक के कहने पर सहायक चक्रबन्दी अधिकारी ने तीन किलोमीटर दूर आराजी नम्बर 869,



963, 981, 986, 985 पर जो लुटावन महाविद्यालय डा. विरेन्द्र यादव विधायक का है उक्तन चक्र दे दिया। वहीं रामनारायण, मुसाफिर व छोटक जैसे लगभग 15 किसानों के सड़क किनारे बेस कीमती भूमि आराजी नम्बर 1571, 1572 पर अपना बनाकर बैठ गये है। इसके स्थान पर बंजर व उसर कंकणाली भूमि के चक्र पर हम किसानों का चक्र रातो रात बिना किसानों को सज्जन मे लिये चोरी छिपे बनावा दिये है। इसी तरह योगेन्द्र यादव, दधीबल, शिवपूजन का आराजी नम्बर

1577, 1575, 1576, 1580, 1581 इसके साथ ही दुर्गेश यादव आराजी नम्बर 1560, 1561, 1564 व विद्याशंकर, राधेश्यामक आराजी नम्बर 1563, 1546, 1573, 1579, 1581 व 1599 की भूमि को अपने पद के बल पर चक्रबन्दी अधिकारियों को प्रभाव मे लेकर इधर से उधर करके उसपर विद्यालय का भवन बना दिया गया और कुछ पर कब्जा कर लिया गया, रातों रात विधायक ने सुरेंद्र यादव के खेत में बाउंड्री मारकर जमीन पर कब्जा कर लिए और सुरेंद्र यादव को विधायक ने जान से मारने की धमकी दी। जिस पर किसानों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर इसकी जांच कर जमीन वापस कराने की मांग किया है। किसान को जान से मारने की विधायक ने दी थी धमकी छ जो राजनैतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

## मोतीपुर में डबरी तालाब का अस्तित्व खतरे में, रास्ता बंद होने से ग्रामीण परेशान

पाटन/मोतीपुर। पाटन ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत मोतीपुर में मुख्य मार्ग के किनारे स्थित डबरी तालाब का अस्तित्व इन दिनों खतरे में नजर आ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार तालाब के आसपास निजी जमीन होने की जानकारी सामने आ रही है, जिसके चलते तालाब के रास्ते पर मुरुम डाल दिया गया है। इससे तालाब तक पहुंचने का रास्ता बंद हो गया है और ग्रामीणों को निस्तारी के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जाता है कि उक्त डबरी तालाब का उपयोग ग्रामीण निस्तारी के लिए करते आ रहे हैं। ग्राम पंचायत द्वारा यहां ग्रामीणों की सुविधा के लिए पंचरी का निर्माण भी कराया गया है। लेकिन वर्तमान में रास्ता बंद होने के कारण ग्रामीण तालाब तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। लंबे समय से उपयोग नहीं होने के कारण तालाब परिसर में घास-फूस भी उग आई है। ग्रामीणों का कहना है कि शासन द्वारा लगातार



जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए तालाबों का गहरीकरण और विकास कार्य कराया जाता है, वहीं मोतीपुर में मुख्य मार्ग के किनारे स्थित पुराने डबरी तालाब के अस्तित्व पर ही संकट खड़ा हो गया है। तालाब तक पहुंचने का रास्ता बंद होने से ग्रामीणों में नाराजगी भी देखी जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कर तालाब एवं उसके रास्ते को सुरक्षित कराने की मांग की है।

जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए तालाबों का गहरीकरण और विकास कार्य कराया जाता है, वहीं मोतीपुर में मुख्य मार्ग के किनारे स्थित पुराने डबरी तालाब के अस्तित्व पर ही संकट खड़ा हो गया है। तालाब तक पहुंचने का रास्ता बंद होने से ग्रामीणों में नाराजगी भी देखी जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कर तालाब एवं उसके रास्ते को सुरक्षित कराने की मांग की है।

कागज से विलक तक न्यायिक प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में दुर्ग जिला न्यायालय की नई पहल

## अब समंस की राह डिजिटल: दुर्ग जिला न्यायालय में ई-समंस प्रणाली पर कोर्ट मोहर्रियों का प्रशिक्षण

दुर्ग। न्याय व्यवस्था में तकनीक अब केवल भविष्य की बात नहीं रही-वह आज की न्यायिक कार्यप्रणाली का हिस्सा बन रही है। इसी बदलाव को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने की दिशा में दुर्ग जिला न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए न्यायालय के समस्त कोर्ट मोहर्रियों को ई-समंस प्रणाली का प्रशिक्षण प्रदान किया। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग श्री के0 विनोद कुंजर के मुख्य मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य स्पष्ट था समंस की पारंपरिक प्रक्रिया को तकनीक की गति से जोड़ना और न्यायिक प्रक्रिया को अधिक स्मार्ट, तेज एवं ट्रैक करने योग्य बनाना। श्री प्रशांत पाणशर, द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग के मार्गदर्शन में श्री रवि कुमार महोदय, व्यवहार न्यायाधीश



वरिष्ठ श्रेणी, दुर्ग द्वारा ई-समंस प्रणाली पर विस्तृत एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रस्तुतीकरण के माध्यम से कोर्ट मोहर्रियों को प्रणाली के विभिन्न चरणों और न्यायालयीन कार्य में इसके प्रभावी उपयोग की जानकारी दी गई। समंस अब सिर्फ कागज नहीं,

डिजिटल ट्रेकिंग का हिस्सा- प्रशिक्षण के दौरान कोर्ट मोहर्रियों को ई-समंस प्रणाली के व्यावहारिक उपयोग से अवगत कराया गया। इसमें ई-समंस तैयार करना, संबंधित पक्षकार अथवा गवाह को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रेषित करना, उसकी डिलीवरी की स्थिति देखना तथा प्राप्त डिजिटल डिलीवरी

रिपोर्ट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक अभिलेखों का सुरक्षित संचारण शामिल रहा। यानी, समंस भेजने से लेकर उसकी डिलीवरी तक की प्रक्रिया अब अधिक व्यवस्थित और डिजिटल रूप से ट्रैक की जा सकेगी। ई-समंस प्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसकी गति और पारदर्शिता है। पारंपरिक प्रक्रिया में जहां समंस की सेवा और उसकी स्थिति की जानकारी प्राप्त करने में समय लग सकता है, वहीं डिजिटल माध्यम प्रक्रिया को अधिक त्वरित और ट्रैक करने योग्य बनाने में मदद करता है। इससे न्यायालयीन कार्यप्रणाली में समय की बचत, प्रक्रिया की पारदर्शिता और कार्य की दक्षता बढ़ाने में सहायता मिलेगी। Training नहीं, Digital Transition- यह प्रशिक्षण केवल किसी नई प्रणाली को चलाना सीखने तक

सीमित नहीं रहा। कोर्ट मोहर्रियों को प्रणाली का व्यावहारिक प्रदर्शन (hands-on demonstration) कराया गया, ताकि वे वास्तविक न्यायालयीन कार्य में ई-समंस का प्रभावी उपयोग कर सकें। यह पहल इस बात का संकेत है कि न्यायालयीन व्यवस्था भी बदलती तकनीक के साथ कदम मिला रही है जहां फ्लॉयड के साथ डिजिटल रिकॉर्ड, प्रक्रिया के साथ real-time tracking और पारंपरिक व्यवस्था के साथ technology-enabled justice आगे बढ़ रही है। दुर्ग जिला न्यायालय की यह पहल न्याय व्यवस्था में हो रहे उस बदलाव की कहानी है, जहां तकनीक का उद्देश्य केवल व्यवस्था को आधुनिक बनाना नहीं, बल्कि न्याय तक पहुंचने वाली प्रक्रिया को सरल, तेज और अधिक विश्वसनीय बनाना है।

## ग्राम सांकरा में मनाया गया पुरखा के सुरता मानस संगोष्ठी एवं पितर मानस महोत्सव



अमलेश्वर। मानस शक्ति केंद्र क्रमांक 3 पाहंद, अमलेश्वर के अंतर्गत ग्राम सांकरा में पुरखा के सुरता मानस संगोष्ठी एवं पितर मानस महोत्सव का आयोजन श्रद्धा भक्तिभाव के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दुर्ग जिला पंचायत सभापति नीलम चंद्राकर एवं सरपंच रवि सिंगौर द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं पितर देव का स्मरण करते हुए किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने अपने पुरखों एवं पितरों को नमन करते हुए

उनके संस्कारों, परंपराओं और जीवन मूल्यों को याद किया। मानस संगोष्ठी के माध्यम से धर्म, संस्कृति एवं सामाजिक एकता का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर राजेश चंद्राकर सांसद प्रतिनिधि, उद्यो सिंह जंघेल, चेतन देवांगन, पूर्व जनपद सदस्य टीकाराम साहू, बसंत सिंगौर, लक्ष्मी सिंगौर, मोती पटेल, तुलाराम सिंगौर, कामता सिंगौर, कमलेश सिंगौर, टीकम सिंगौर, उपसेन सिंगौर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।